राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 11 मार्च 2026 वर्ष-9,अंक-45 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जम्मू-कश्मीर के नौशेरा में एक आतंकी मारा गया

● सेना को दो आतंकियों की घुसपैठ की जानकारी मिली थी

राजोरी। जम्मू-कश्मीर के राजोरी जिले के नौशेरा सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास घुसपैठ की एक कोशिश को सुरक्षाबलों ने नाकाम कर दिया। एक पाकिस्तान समर्थित आतंकी मारा गया, जबकि दूसरे की तलाश जारी है। अधिकारियों के अनुसार खुफिया एजेंसियों से मिले विश्वसनीय इनपुट के आधार पर मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे नौशेरा के झांगर इलाके में एलओसी के पास दो आतंकियों की संदिग्ध गतिविधि देखी गई। इसके बाद सतर्क सैनिकों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इलाके में ऑपरेशन शुरू किया। भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर के जवानों ने त्वरित और सटीक कार्रवाई करते हुए घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। इस दौरान एक आतंकी मारा गया, जिससे एलओसी पर किसी भी तरह की घुसपैठ को सफल होने से रोक दिया गया। सुरक्षाबलों ने इलाके में व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया है और दूसरे आतंकी की तलाश की जा रही है। सेना ने पूरे सेक्टर में निगरानी बढ़ा दी है और जमीनी तथा हवाई निगरानी के जरिए इलाके पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

बीसीसीआई टीम इंडिया को 131 करोड़ रुपये देगा

● यह पैसा खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ में बंटेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने पर टीम इंडिया के लिए 131 करोड़ रुपए के इनाम का ऐलान किया है। यह पैसा खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ में बंटेगा। भारत ने रविवार को टी-20 वर्ल्ड चैंपियन का खिताब अपने नाम किया था। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया और ट्रॉफी जीती थी। इसके साथ ही टीम इंडिया ने अपना खिताब बरकरार रखा और टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में लगातार दो बार ट्रॉफी जीतने वाली पहली टीम बन गई। BCCI ने खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और सिलेक्टर्स को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी है। बोर्ड ने उम्मीद जताई कि टीम भविष्य में भी इसी तरह शानदार प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन करती रहेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद भारतीय टीम को 3 मिलियन डॉलर (करीब 27.5 करोड़ रुपए) की इनामी राशि मिली। वहीं, रनर-अप न्यूजीलैंड को 1.6 मिलियन डॉलर (करीब 14.7 करोड़ रुपए) दिए गए।

कई राज्यों में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई बंद

गैस नहीं मिलने से होटल-रेस्टोरेंट बंद होने की नौबत, जमाखोरी रोकने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू

नई दिल्ली (एजेंसी)।
नई दिल्ली। अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से हॉर्मुज जलमार्ग के रास्ते गैस सप्लाई ठप हो गई है। इससे देश में LPG की किल्लत हो रही है। दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और राजस्थान समेत कई राज्यों ने कॉमर्शियल गैस की सप्लाई पर रोक लगा दी है। गैस सप्लाई बंद होने की वजह से कई शहरों में रेस्टोरेंट्स और होटल बंद होने की नौबत आ गई है। ऐसे में सरकारी सूत्रों का कहना है कि तेल कंपनियां तीन सदस्यी कमेटी के जरिए रेस्टोरेंट एसोसिएशनों से बात करेंगी, ताकि छद्मऋसप्लाई की दिक्कतों को समझा जा सके। इधर, केंद्र सरकार ने गैस समेत जरूरी चीजों की जमाखोरी रोक ने लिए देशभर में 'आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955' लागू कर दिया है। अब गैस को 4 कैटेगरी में बांटा जाएगा...। पहली कैटेगरी (पूरी सप्लाई): इसमें घर की रसोई गैस (PNG) और गाड़ियों में डलने वाली CNG आती है। इन्हें पहले की तरह पूरी गैस मिलती रहेगी। दूसरी कैटेगरी (खाद कारखाने): खाद बनाने वाली फैक्ट्रियों को करीब 70% गैस दी जाएगी। बस उन्हें यह साबित करना होगा कि गैस का इस्तेमाल खाद बनाने में ही हुआ है। तीसरी कैटेगरी (बड़े उद्योग): नेशनल ग्रिड से जुड़ी चाय की फैक्ट्रियों और दूसरे बड़े उद्योगों को उनकी जरूरत की लगभग 80% गैस मिलेगी। चौथी कैटेगरी (छोटे बिजनेस और होटल): शहरों के गैस नेटवर्क से जुड़े छोटे कारखानों, होटल और रेस्टोरेंट को भी उनकी पुरानी खपत के हिसाब से लगभग 80% गैस दी जाएगी।

क्या है आवश्यक वस्तु अधिनियम?

एसेंशियल कमोडिटी एक्ट 1955 एक ऐसा कानून है, जो सरकार को यह ताकत देता है कि वह किसी भी जरूरी चीज जैसे- अनाज, दालें, खाने का तेल, दवाइयां या ईंधन की सप्लाई और कीमतों को कंट्रोल कर सके। इसे आसान भाषा में 'जमाखोरी रोकने वाला कानून' कह सकते हैं। जब कभी किसी चीज की कमी होने लगती है या उसकी कीमतें बहुत ज्यादा बढ़ने लगती हैं, तो सरकार इस कानून को लागू कर देती है। इसके तहत व्यापारियों के लिए स्टॉक की एक लिमिट तय कर दी जाती है कि वे एक सीमा से ज्यादा सामान गोदामों में नहीं भर सकते।

स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

गोगोई बोले: राहुल को 20 बार टोका गया, रिजिजू का जवाब- प्रियंका को नेता प्रतिपक्ष बनाते तो अच्छा होता

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में मंगलवार को विपक्ष स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाया। 50 से ज्यादा सांसदों ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया। इसके बाद पीठासीन ने प्रस्ताव पेश करने की परमिशन दे दी। अब इस प्रस्ताव पर 10 घंटे चर्चा होगी। विपक्ष ने ओम बिरला पर सदन की कार्यवाही में पक्षपात करने का आरोप लगाया है। बहस की शुरूआत कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने की। उन्होंने कहा कि बजट सत्र के दौरान 20 बार नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को रोका-टोका गया। उन्हें बार बार रूलिंग बुक दिखाई गई। उन्होंने अपनी स्पीच में एक आर्टिकल का हवाला दिया। इस पर उन्हें मना किया गया, लेकिन सत्ता पक्ष के सांसदों ने भारत में बैन किताबें सदन में दिखाईं। उनसे कुछ नहीं कहा गया। इस तरह का भेदभाव स्वीकार नहीं है। 2 फरवरी को नेता विपक्ष राहुल गांधी जब बोल रहे थे, तब उन्हें बार-बार रोका गया। स्पीकर सर ने उनके तर्क पर सबूत देने का कहा। 9 फरवरी को शशि थरूर जब बोल रहे थे, तब उनका माइक बंद कर दिया गया। सरकार ने कहा कि बोलिए, लेकिन हम कैसे बोल सकते हैं जब माइक ऑफ किया गया हो। संसद में ऐसी नई-नई चीजें हो रही हैं। आज महिला सांसदों के उद्देश्य पर सवाल उठाए जा रहे हैं। ओम बिरला जी ने पीएम मोदी के समय कहा था कि महिला सांसदों ने पीएम की चेयर घेर ली है। उनके साथ कुछ भी हो सकता था। ये बहुत ही शर्मनाक बात है। बिरला ने किस आधार पर महिला सांसदों पर ये आरोप लगाए। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- इन लोगों ने पहले आरोप लगाया कि LoP को बोलने नहीं दिया जाता है। मैं कहता हूं 15वीं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष केवल 2 बार बोले। जब सेशन चलता है, तो विदेश चले जाते हैं। नेता प्रतिपक्ष अपनी बात बोल के सदन से भाग जाते हैं। किसी और की बात नहीं सुनते हैं। फिर कहते हैं कि मुझे बोलने नहीं दिया जाता है। पहली बार मैंने ऐसा दृश्य देखा कि नेता प्रतिपक्ष पीएम को गले लगा रहा है। अपनी सीट पर बैठकर अपने सांसद को आंख मारता है।

महुआ ने कहा- बिरला ने विपक्षी सांसदों का सबसे बड़ा सस्पेंशन किया

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि दिसंबर 2023 में स्पीकर ओम बिरला ने भारतीय पार्लियमेंट के इतिहास का सबसे बड़ा सस्पेंशन दिया, जिसमें विपक्ष के 100 सांसदों को सस्पेंड किया गया था। ये 2004 से हुए सस्पेंशन का 40% था। पिछले 20 साल में इस एक दिन में सदन के 40% सांसद सस्पेंड किए गए थे। ऐसा क्यों किया गया था क्योंकि संसद में घुसपैठ पर विपक्ष सरकार से जबाव मांग रहा था। क्या ये जरूरी मुद्दा नहीं था।

सुप्रीम कोर्ट बोला-सरकार कोविड वैक्सीन से नुकसान का मुआवजा

■ एरर-फ्री पॉलिसी बनाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को कोविड वैक्सीनेशन से जुड़ी याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए कहा कि सरकार वैक्सीनेशन के साइड इफेक्ट्स का मुआवजा दे। इसके लिए वह नो-फॉल्ट कंपनसेशन पॉलिसी बनाए। नो-फॉल्ट कम्पनसेशन पॉलिसी का मतलब है कि अगर किसी व्यक्ति को दवा या वैक्सीन से नुकसान हो जाए, तो उसे मुआवजा मिल सकता है, भले ही इसमें किसी की गलती साबित न हुई हो। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने यह भी कहा कि वैक्सीनेशन के साइड इफेक्ट्स की मॉनिटरिंग के लिए मौजूदा सिस्टम जारी रहेगा। इसके लिए अलग से एक्सपर्ट पैनल बनाने की जरूरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने रचना गंगू और वेणुगोपालन गोविंदन की 2021 में दायर याचिका पर यह फैसला सुनाया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनकी बेटियों की मौत कोविड वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स के कारण हुई थी। वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स से जुड़े आंकड़े समय-समय पर पब्लिक डोमेन में रखा जाएगा। इस फैसले का मतलब यह नहीं होगा कि व्यक्ति दूसरे कानूनी उपायों का सहारा नहीं ले सकता। मुआवजा नीति का यह मतलब नहीं होगा कि सरकार या किसी दूसरी अथॉरिटी ने अपनी गलती मान ली है। पिछले साल 13 नवंबर को इन याचिकाओं पर लंबी बहस हुई थी। इसके बाद जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा था कि कोर्ट के साथ-साथ दूसरे मुद्दों पर भी फैसला करेगा।

ईरान बोला: एक लीटर तेल भी बाहर नहीं जाने देंगे

● जो देश इजराइल-अमेरिका के राजदूतों को निकालेंगे, उनके जहाज से गुजरने देंगे

नई दिल्ली। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का 11वां दिन हैं। इस बीच ईरान ने कहा है कि वह एक लीटर तेल भी बाहर नहीं जाने देगा। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों के गुजरने को लेकर एक नई शर्त रखी है। इजराइली मीडिया वाइनेट की रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान की सेना इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने कहा है कि कुछ देशों के जहाजों को इस रास्ते से गुजरने दिया जा सकता है, लेकिन इसके लिए उन देशों को पहले इजराइल और अमेरिका के राजदूतों को अपने देश से निकालना होगा। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया का बहुत अहम समुद्री रास्ता

है। हर साल दुनिया के करीब 20% तेल की सप्लाई इसी रास्ते से गुजरती है। हालांकि अमेरिकी चैनल ने कहा है कि ईरान इस रास्ते से गुजरने वाले तेल टैंकरों और व्यापारिक जहाजों पर सिक्योरिटी टैक्स यानी सुरक्षा शुल्क लगाने की योजना बना रहा है, खासकर उन जहाजों पर जो अमेरिका के सहयोगी देशों के हैं। ट्रम्प ने कहा है कि वह ईरान से बातचीत करने के लिए तैयार हो सकते हैं, लेकिन यह पूरी तरह बातचीत की शर्तों पर निर्भर करेगा। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प से जब तेहरान के साथ वार्ता के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उन्होंने सुना है कि ईरान बातचीत करना चाहता है। ट्रम्प ने संकेत दिया कि अगर प्रस्ताव और शर्तें अमेरिका के हितों के अनुसार हों तो बातचीत संभव है। हालांकि उन्होंने ईरान के नए सर्वोच्च नेता मुजतबा खामेनेई पर भी संदेह जताया और कहा कि उन्हें नहीं लगता कि वह शांति बनाए रख पाएंगे। ईरान की राजधानी तेहरान में हमलों के बाद अब तक 460 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और 4,309 लोग घायल हुए हैं।

राज्यसभा चुनाव से पहले 26 नेता निर्विरोध निर्वाचित

नई दिल्ली (एजेंसी)। 10 राज्यों की 37 सीटों के लिए हो रहे राज्यसभा चुनाव में 7 राज्यों के 26 उम्मीदवार बिना मुकाबले (निर्विरोध) के ही निर्वाचित हो गए हैं। इनमें एनसीपी (शरद) प्रमुख शरद पवार, कांग्रेस के अभिषेक मनु सिंघवी और केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। कई राज्यों में विपक्षी दलों ने उम्मीदवार नहीं उतारे, जिसके कारण ये नेता बिना मतदान के ही राज्यसभा पहुंच गए। हालांकि बिहार, ओडिशा और हरियाणा की 11 सीटों पर मुकाबला होना तय है। इन राज्यों में अतिरिक्त उम्मीदवार मैदान में होने के कारण चुनाव कराया जाएगा। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि के बाद बिहार की 5, ओडिशा की 4 और हरियाणा की 2 सीटों पर चुनाव 16 मार्च को होंगे। इन चुनावों में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन के राज्यसभा पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। कुल 10 राज्यों की 37 सीटों के लिए 40 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया था। अब 11 सीटों के लिए 14 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिसके कारण बिहार, ओडिशा और हरियाणा में एक-एक सीट पर मुकाबला होगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त बोले: पात्र वोटर का नाम नहीं कटेगा

स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराना आयोग की प्राथमिकता

कोलकाता (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मंगलवार को कहा कि किसी भी पात्र वोटर का नाम वोटर लिस्ट से नहीं हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करना चुनाव आयोग की प्राथमिकता है। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) का मकसद है कि सभी सही वोटर को वोट देने का अधिकार मिले और कोई अयोग्य व्यक्ति वोटर लिस्ट में शामिल न हो। आयोग का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि पश्चिम बंगाल के सभी मतदाता आगामी विधानसभा चुनाव में हिंसा और डर के माहौल से मुक्त होकर मतदान कर सकें। कोलकाता में चुनाव तैयारियों की समीक्षा के लिए दो दिन तक हुई बैठकों के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि आयोग ने राज्य की कानून-व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे बिना किसी पक्षपात और दबाव के कानून का सख्ती से पालन कराएं। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं। यहां मतदान प्रतिशत हमेशा काफी अधिक रहता है। राज्य के मतदाता संविधान का सम्मान करते हैं और शांतिपूर्ण चुनाव में विश्वास रखते हैं। इस दौरान उन्होंने चुनाव आयोग का एक नारा भी बताया- चुनाओ पर्वो, पश्चिमबंगेर गर्वो (यानी चुनाव का पर्व पश्चिम बंगाल का गर्व है)। इसके पहले ज्ञानेश कुमार को सुबह फिर लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। ज्ञानेश कुमार दक्षिणेश्वर काली मंदिर गए थे, जहां लोगों की भीड़ ने गो बैक नारे लगाए और काले झंडे दिखाए। यह लगातार तीसरे दिन CEC को लोगों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले कालीघाट मंदिर में दर्शन करने और रविवार रात कोलकाता पहुंचने पर भी एयरपोर्ट के बाहर लोगों ने काले झंडे दिखाए थे। CEC कुमार ने विरोध के बावजूद, कुमार राज्य में अपने तय प्रोग्राम में शामिल होते रहे। इलेक्शन कमिश्नर सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ, राज्य में चुनाव से जुड़े इंतजामों का आकलन करने के लिए पश्चिम बंगाल की चीफ सेक्रेटरी नंदिनी चक्रवर्ती, डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (DGP) पीयूष पांडे और दूसरे सीनियर अधिकारियों के साथ

विपक्षी दल ज्ञानेश कुमार को हटाने की तैयारी में

विपक्षी दल मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग वाला प्रस्ताव लाने के लिए नोटिस देने की तैयारी कर रहे हैं। यदि संसद में यह लाया जाता है, तो किसी मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ पहला प्रस्ताव होगा। नोटिस का मसौदा इसी हफ्ते संसद में पेश किया जा सकता है। तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद ने बताया कि कांग्रेस सहित इंडिया गठबंधन के अन्य दल नोटिस का समर्थन करेंगे। प. बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने एसआईआर के मुद्दे पर वोटर्स के नाम काटे जाने के मुद्दे पर ज्ञानेश कुमार को हटाने का प्रस्ताव लाने की बात कही थी।

जल जीवन मिशन को 2028 तक बढ़ाने की मंजूरी

चीन समेत पड़ोसी देशों के लिए एफडीआई नियमों में ढील की खबर

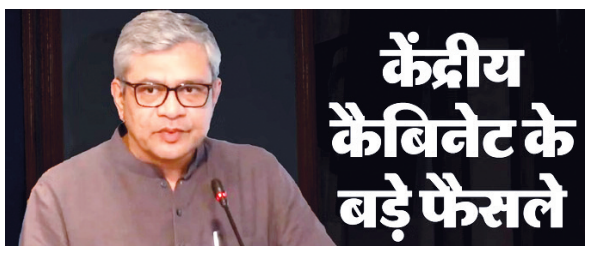

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में रणनीतिक बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को नई रफ्तार देने के लिए भी केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को बताया कि 'स्ट्रैटेजिक इंफ्रास्ट्रक्चर एंड कनेक्टिविटी इन्वेस्टमेंट एजेंडा 2024' के तहत कैबिनेट ने कुल 8.8 लाख करोड़ रुपये की विभिन्न महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को अपनी मंजूरी दे दी है। इन फैसलों में रेलवे, हाईवे, एविएशन और ग्रामीण जल आपूर्ति जैसे प्रमुख सेक्टर्स शामिल हैं, जो अर्थव्यवस्था को गति देने में अहम भूमिका निभाएंगे। कैबिनेट द्वारा मंजूर किए गए कुल 8.8 लाख करोड़ रुपये के फंड में से सबसे बड़ा हिस्सा बुनियादी जरूरतों और ग्रामीण विकास पर केंद्रित है। सरकार ने 'जल जीवन मिशन' के विस्तार के लिए 8.7 लाख करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कैबिनेट ने जल जीवन मिशन को दिसंबर 2028 तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और परिवहन को सुगम बनाने के लिए सरकार ने कई प्रमुख रेलवे और सड़क परियोजनाओं के साथ-साथ विमानन क्षेत्र के लिए अहम फैसले लिए हैं: एविएशन सेक्टर: एक प्रमुख नीतिगत फैसले के तहत मदुरै एयरपोर्ट को इंटरनेशनल एयरपोर्ट (अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा) घोषित किया गया है। रोड नेटवर्क: जेवर एयरपोर्ट और फरीदाबाद सेक्शन को जोड़ने वाले एलिवेटेड रोड के निर्माण के लिए 3,631 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इसके अलावा, बदनावर-थांदला-टिमरवानी (NH 752 D) राजमार्ग को 4-लेन बनाने के लिए 3,839 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।

भारत के पास अभी कितना तेल भंडार है?

पेट्रोलियम मंत्रालय के एक अधिकारी के अनुसार देश के पास फिलहाल करीब 14.4 करोड़ बैरल कच्चे तेल का भंडार मौजूद है। यह भंडार लगभग 50 दिनों की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त माना जा रहा है। इसके अलावा सामरिक पेट्रोलियम भंडार में भी करीब 9.5 दिनों की शुद्ध आयात जरूरतों को पूरा करने लायक कच्चा तेल सुरक्षित रखा गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नो स्मोकिंग डेः निकोटीन का जहर और समाज का मौन संकट

धूम्रपान केवल शारीरिक ही नहीं, मानसिक और सामाजिक समस्याओं को भी जन्म देता है। तंबाकू की लत व्यक्ति को धीरे-धीरे निर्भर बना देती है। कई युवाओं में यह लत अवसाद, चिंता और आत्मविश्वास की कमी जैसी मानसिक समस्याओं को भी जन्म देती है। जब किशोरावस्था में यह आदत लग जाती है तो उसे छोड़ना बेहद कठिन हो जाता है और इसका प्रभाव उनके पूरे जीवन पर पड़ता है। धूम्रपान के खतरों को देखते हुए समाज में व्यापक जागरूकता की आवश्यकता है।

(लेखक-योगेश कुमार गोयल)

- धूम्रपान मुक्त पीढ़ी ही है स्वस्थ भविष्य की बुनियाद

(नो स्मोकिंग डे (11 मार्च) पर विशेष)

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है लेकिन दुर्भाग्य से धूम्रपान और तंबाकू की लत इस अमूल्य धन को तेजी से नष्ट कर रही है। हर साल मार्च के दूसरे बुधवार को 'नो स्मोकिंग डे' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को धूम्रपान की आदत छोड़ने के लिए प्रेरित करना और समाज को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। इस वर्ष यह दिवस 11 मार्च को मनाया जा रहा है। यह एक ऐसा अवसर है, जब लोग अपने जीवन में एक नई शुरुआत कर सकते हैं और धूम्रपान मुक्त जीवन की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। हर वर्ष इस दिन एक विशेष थीम के साथ लोगों को तंबाकू से दूर रहने का संदेश दिया जाता है। इस वर्ष का संदेश है 'धूम्रपान से मुक्त जीवन की शुरुआत एक धूम्रपान-मुक्त दिन से होती है।' इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि कोई व्यक्ति केवल एक दिन भी धूम्रपान से दूरी बना ले तो वह आगे चलकर इसे पूरी तरह छोड़ने की दिशा में पहला कदम उठा सकता है।

तंबाकू और निकोटीन की लत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तंबाकू के कारण हर वर्ष लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। इनमें से करीब 70 लाख लोग सीधे धूम्रपान करने वाले होते हैं जबकि लगभग 12 लाख लोग ऐसे होते है, जो स्वयं धूम्रपान नहीं करते लेकिन दूसरों के धुएं के संपर्क में आने के कारण गंभीर बीमारियों का शिकार बन जाते हैं। यह स्थिति बताती है कि धूम्रपान केवल करने वाले व्यक्ति को ही नहीं बल्कि उसके आसपास रहने वाले परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। हाल के वर्षों में देखा गया है कि दुनिया के कई देशों में धूम्रपान करने वालों की संख्या में कमी आई है लेकिन इसके बावजूद चिंता का विषय यह है कि युवाओं और किशोरों में तंबाकू के उपयोग की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है।

वैश्विक रिपोर्टों के अनुसार 13 से 15 वर्ष की आयु के लगभग 3.7 करोड़ बच्चे किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे हैं। ई-सिगरेट और अन्य नए निकोटीन उत्पादों ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। आकर्षक पैकेजिंग, फ्लेवर और डिजिटल मार्केटिंग के जरिए इन उत्पादों को युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाने की कोशिश की जा रही है। विज्ञापन प्रतिबंधों के बावजूद सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से युवाओं को लक्ष्य बनाकर प्रचार किया जाता है। इस कारण किशोरों में तंबाकू की लत तेजी से फैल रही है, जो भविष्य में गंभीर स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है। तंबाकू के दुष्प्रभाव केवल कैंसर तक सीमित नहीं हैं। यह शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाता है। धूम्रपान फेफड़ों के कैंसर का प्रमुख कारण है और दुनिया में होने वाली फेफड़ों के कैंसर से लगभग 85 प्रतिशत मौतें धूम्रपान के कारण होती हैं। इसके अलावा तंबाकू हृदय रोग, स्ट्रोक, दमा, ब्रोंकाइटिस और कई अन्य श्वसन संबंधी बीमारियों को जन्म देता है। लंबे समय तक तंबाकू का सेवन करने से मुंह, गले, पेट, लीवर और आंतों के कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है।

तंबाकू की समस्या भारत में भी काफी गंभीर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के 25 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं। इनमें अधिकांश पुरुष हैं लेकिन महिलाओं में भी इसका उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। भारत में तंबाकू सेवन के कई रूप प्रचलित हैं, जैसे खैनी, गुटखा, पान मसाला, जर्दा और सुपारी के साथ तंबाकू का सेवन। इन उत्पादों की आसान उपलब्धता और कम कीमत के कारण लोग जल्दी इसकी लत के शिकार हो जाते हैं। विभिन्न शोधों में यह भी सामने आया है कि तंबाकू से होने वाली बीमारियों का इलाज बहुत महंगा होता है। यदि तंबाकू के उपयोग को नियंत्रित नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं पर इसका आर्थिक बोझ बहुत अधिक बढ़ सकता है। मुंह के कैंसर के मामलों में भारत पहले से ही दुनिया के कई देशों से आगे है और इसका मुख्य कारण तंबाकू तथा गुटखे का व्यापक उपयोग है।

धूम्रपान केवल शारीरिक ही नहीं, मानसिक और सामाजिक समस्याओं को भी जन्म देता है। तंबाकू की लत व्यक्ति को धीरे-धीरे निर्भर बना देती है। कई युवाओं में यह लत अवसाद, चिंता और आत्मविश्वास की कमी जैसी मानसिक समस्याओं को भी जन्म देती है। जब किशोरावस्था में यह आदत लग जाती है तो उसे छोड़ना बेहद कठिन हो जाता है और इसका प्रभाव उनके पूरे जीवन पर पड़ता है। धूम्रपान के खतरों को देखते हुए समाज में व्यापक जागरूकता की आवश्यकता है। सरकारों ने तंबाकू नियंत्रण के लिए कई कानून बनाए हैं, सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध लगाया है और तंबाकू उत्पादों पर चेतावनी संदेश भी अनिवार्य किए हैं। इसके बावजूद केवल कानून से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसके लिए सामाजिक जागरूकता और व्यक्तिगत संकल्प दोनों जरूरी हैं। पत्रकारिता के अपने लंबे अनुभव के दौरान मैंने नशे के दुष्प्रभावों पर व्यापक अध्ययन किया है। वर्ष 1993 में मेरी पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' प्रकाशित हुई थी, जिसमें तंबाकू और अन्य नशों से होने वाले भयानक परिणामों का विस्तार से उल्लेख किया गया था। उस समय भी यह चेतावनी दी गई थी कि यदि समाज ने समय रहते नशे के खिलाफ जागरूकता नहीं बढ़ाई तो इसके दुष्परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भुगतने पड़ेंगे। आज तीन दशक बाद भी यह चिंता उतनी ही प्रासंगिक दिखाई देती है।

बहरहाल, नो स्मोकिंग डे हमें याद दिलाता है कि जीवन का हर पल अमूल्य है और इसे किसी भी तरह की लत के कारण बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। धूम्रपान छोड़ना कठिन अवश्य है लेकिन असंभव नहीं। यदि व्यक्ति दृढ़ निश्चय कर ले और परिवार तथा समाज का सहयोग मिले तो वह आसानी से इस लत से मुक्त हो सकता है। आज जरूरत इस बात की है कि हम स्वयं भी धूम्रपान से दूर रहें और दूसरों को भी इसके खतरों के बारे में जागरूक करें। आखिरकार, एक स्वस्थ समाज की शुरुआत स्वस्थ व्यक्तियों से ही होती है। यदि हम तंबाकू से दूरी बनाकर जीवन को अपनाएं तो न केवल अपना स्वास्थ्य सुरक्षित रख सकते हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक बेहतर और सुरक्षित वातावरण तैयार कर सकते हैं। इसलिए इस नो स्मोकिंग डे पर संकल्प लें कि तंबाकू का साथ छोड़कर हर सांस को कीमती बनाएंगे और जीवन को स्वस्थ, सुरक्षित और खुशहाल बनाने की दिशा में कदम बढ़ाएंगे।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं तथा वर्ष 1993 में नशे के दुष्प्रभावों पर पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' लिख चुके हैं)

संपादकीय

टी-ट्वेंटी में बादशाहत

एक बार फिर भारत ने क्रिकेट के सबसे छोटे स्वरूप टी-20 में अपनी सर्वोच्चता साबित की है। हालांकि, भारत के हर क्षेत्र में शानदार खेल ने दर्शकों को फाइनल मुकाबले के रोमांच से वंचित किया, लेकिन भारतीय टीम ने हर क्षेत्र में बेजोड़ श्रेष्ठता प्रदर्शित की। भारतीय टीम निर्भीकता से खेली। मुख्य कोच गौतम गंभीर का अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती को अनियमित फॉर्म के बावजूद महत्वपूर्ण फाइनल के लिये टीम में बरकरार रखना सही साबित हुआ। संजू सैमसन ने तीन सबसे महत्वपूर्ण मैचों में निर्णायक पारी खेली। वहीं चतुर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अपनी गेंदबाजी का जादू बिखेरा। हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, ईशान किशन, शिवम दुबे ने महत्वपूर्ण अवसरों पर योगदान दिया। यह अच्छी बात है कि सुपर आठ के एक मैच में दक्षिण अफ्रीका से मिली करारी हार को भारतीय टीम ने एक सबक के तौर पर लिया। जिससे टीम को जीत की लय में वापस आने में सहायता मिली। यह सुखद ही है कि दो साल से भी कम समय में भारतीय टीम ने टी-20 विश्व कप के दो खिताब हासिल किए। निस्संदेह, इस उल्लेखनीय उपलब्धि में इंडियन प्रीमियर लीग में टी-20 मैचों का लगातार अभ्यास जीत की लय बनाये रखने में मददगार साबित हुआ। क्रिकेट के दीवाने इस देश में प्रीमियर लीग ने क्रिकेट प्रतिभाओं को अपने खेल में निखार लाने का एक बेहतर अवसर उपलब्ध कराया। यह शानदार जीत, भारत द्वारा वनडे चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के ठीक एक साल बाद मिली है। लेकिन एक अंतर्विरोध यह भी है कि सफेद गेंद के क्रिकेट और व्यावसायिक खेल के इस मिश्रण ने टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम की कमजोरी को उजागर किया है। जिसका उदाहरण घरेलू सीरीज में न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका से मिली करारी हार है, जो हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। यह एक हकीकत है कि जब तक भारत टैस्ट मैचों में अपनी स्थिति मजबूत नहीं करता, तब तक भारत का वैश्विक क्रिकेट में पूरी तरह वर्चस्व हासिल करना संभव न होगा। कमोबेश, महिला टीम के मामले में भी यही बात लागू होती है, जिसने पिछले साल नवंबर में वनडे विश्व कप जीता। लेकिन टेस्ट क्रिकेट में इस टीम की पकड़ भी ढीली हुई है। वास्तव में दोनों टीमों को क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में संतुलित कामयाबी के साथ ही आगे बढ़ना होगा। इस हकीकत को जानते हुए कि खेल जगत के परिप्रेक्ष्य में क्रिकेट का दबदबा हमेशा बना रहना है, अब चाहे टीमें अच्छा खेलें या कमजोर। भारत में उपलब्ध क्रिकेट के समृद्ध संसाधनों और लगातार सामने आती नई प्रतिभाओं के चलते आईसीसी की तमाम प्रतियोगिताओं में भारतीय दबदबा आने वाले वर्षों में भी बना रह सकता है। इस टी-20 विश्वकप में भारतीय जीत को इसी नजरिये से देखने की जरूरत है। लेकिन जरूरत इस बात की होगी कि व्हाइट बॉल के साथ भारतीय टीम रेड बॉल क्रिकेट में अपना वर्चस्व बनाये रखे। टीम वनडे और टी-20 के साथ टेस्ट क्रिकेट में भी तमाम परिस्थितियों के बावजूद जीत का जज्बा बनाये रखे। इस टूर्नामेंट में संजू सैमसन द्वारा दिखाया गया खेल भारतीय टीम के लिये निर्णायक साबित हो सकता है। जिन्होंने तीन महत्वपूर्ण मैचों में अस्सी से अधिक रन बनाकर जीत में अहम भूमिका निभायी है। लंबे समय तक उपेक्षित रहने के बावजूद जब उन्हें परिस्थितिवश खेलने का मौका मिला तो उन्होंने अवसर का भरपूर लाभ उठाकर खुद को साबित किया। वे सिर्फ पांच मैच खेलने के बावजूद टूर्नामेंट के सबसे शानदार खिलाड़ी का खिताब हासिल करने में कामयाब हुए।

संभाजी राव : भारतीय संप्रभुता और सनातन को समर्पित जीवन दर्शन

(लेखक - डॉ. राघवेंद्र शर्मा)

छत्रपति संभाजी राव की पुण्यतिथि पर विशेष)

11 मार्च का वह पावन दिवस मात्र कैलेंडर की एक तिथि नहीं, बल्कि भारतीय स्वाभिमान के उस प्रखर सूर्य के महाप्रयाण का दिन है, जिसने अपने रक्त की अंतिम बूंद से राष्ट्र की अस्मिता को सींचा था। धर्मवीर छत्रपति संभाजी महाराज का जीवन उस धधकती ज्वाला के समान है, जिसने औरंगजेब के अहंकार को राख में मिला दिया और हिंदवी साम्राज्य की नींव को वज्र जैसी अडिगता प्रदान की। शिवाजी महाराज के स्वर्गारोहण के पश्चात जब चारों ओर से संकट के बादल मंडरा रहे थे और मुगलिया सल्तनत की गिद्ध जैसी दृष्टि दक्षिण भारत को निगलने के लिए आतुर थी, तब शंभू राजा ने उस प्रलयंकारी तूफान के विरुद्ध अकेले खड़े होकर वह शौर्य गाथा लिखी, जिसे सुनकर आज भी कायरों की रूह कांप जाती है। उनका संघर्ष केवल राज्य की सीमाओं को बचाने का नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा का महायज्ञ था। अपने नौ वर्षों के संक्षिप्त किंतु अत्यंत तेजस्वी शासनकाल में उन्होंने मुगलों, सिद्दियों, पुर्तगालियों और अंग्रेजों जैसे शत्रुओं को एक साथ धूल चटाकर यह सिद्ध कर दिया कि शेर का शावक कभी झुकना नहीं जानता।

संभाजी महाराज का जीवन प्रतिकूलताओं की उस कसौटी पर कसा गया था, जहाँ साधारण मनुष्य टूट जाता है, परंतु वे निखरकर कुंदन बन गए। एक ओर औरंगजेब अपनी पूरी शक्ति, अपार धन और विशाल सेना के साथ दक्षिण को रौंदने आया था, तो दूसरी ओर स्वराज के भीतर छिपे गद्दारों और षड्यंत्रकारियों का जाल बिछा हुआ था। उन्हें अपनों के विश्वासघात और शत्रुओं के क्रूर आक्रमणों के बीच एक साथ युद्ध लड़ना पड़ा। आर्थिक तंगी, किलों की घेराबंदी और निरंतर सैन्य अभियानों के बावजूद उन्होंने एक भी किला मुगलों के हाथ नहीं लगने दिया। संभाजी महाराज ने युद्ध के मैदान में बिजली की गति से प्रहार किया और मुगलों की रसद काट दी, जिससे औरंगजेब जैसा क्रूर शासक भी वर्षों तक भटकने के लिए विवश हो गया। उनके जीवन का वह अंतिम अध्याय तो मनुष्यता के इतिहास में वीरता की पराकाष्ठा है। जब संगमेश्वर में विश्वासघात के कारण वे पकड़े गए, तो औरंगजेब ने उन्हें अपमानित करने और धर्म परिवर्तन कराने के लिए अमानवीय प्रताड़नाओं का सहारा लिया। उनकी आंखें निकाल ली गईं, जीभ काट दी गई, और खाल तक उधेड़ दी गई, किंतु उस महामानव के मुख से केवल नमो नम: शिवाय और स्वधर्म के प्रति निष्ठा ही प्रकट हुई। उन्होंने मृत्यु को तो गले लगाया, लेकिन अपने स्वाभिमान और पूर्वजों के धर्म को आंच नहीं आने दी। उनकी शहादत ने पूरे महाराष्ट्र में वह ज्वाला प्रज्वलित की, जिसने अंतत: मुगल साम्राज्य का अंत कर दिया।

संभाजी महाराज ने भारतीय इतिहास के समक्ष वह आदर्श स्थापित किया, जो सिखाता है कि राष्ट्र के लिए बलिदान होना किसी पराजय का नाम नहीं, बल्कि अमरता का मार्ग है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि जब सिद्धांत और प्राणों के बीच चुनाव करना हो, तो सिद्धांतों के लिए प्राणों की आहुति देना ही श्रेष्ठ है। उनके जीवन दर्शन से हमें यह सीख मिलती है कि शत्रु चाहे कितना भी बलवान क्यों न हो, यदि मन में दृढ़ निश्चय और धर्म के प्रति अटूट आस्था हो, तो उसे घुटने टेकने पर मजबूर किया जा सकता है। वे केवल एक योद्धा ही नहीं, बल्कि संस्कृत के प्रकांड विद्वान और प्रजावत्सल शासक भी थे। उन्होंने सिखाया कि ज्ञान और वीरता का संगम ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है। आज के भारतीय नागरिकों को उनके जीवन से यह गंभीर पाठ पढ़ने की आवश्यकता है कि देश के भीतर पनपने वाली गद्दारी और फूट किसी भी बाहरी आक्रमणकारी से अधिक घातक होती है। इतिहास साक्षी है कि यदि संभाजी महाराज के साथ अपनों ने विश्वासघात न किया होता, तो भारत का चित्र कुछ और ही होता।

पुन: वैसी परिस्थितियां न आएं और हमें फिर किसी वीर योद्धा का बलिदान न देना पड़े, इसके लिए प्रत्येक भारतीय को कुछ कड़े संकल्प और ऐहतियातें बरतने की आवश्यकता है। सबसे महत्वपूर्ण है राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रति अटूट निष्ठा। हमें जाति, पंथ और क्षेत्रीयता की उन दीवारों को ढहाना होगा जो हमें भीतर से खोखला करती हैं और बाहरी ताकतों को हस्तक्षेप का अवसर देती हैं। इतिहास का सबसे बड़ा सबक यही है कि जब-जब हम बंटे हैं, तब-तब हमें लूटा और प्रताड़ित किया गया है। आज के युग में वैचारिक युद्ध और छद्म वेश में छिपे शत्रुओं को पहचानना अनिवार्य है। हमें अपनी सुरक्षा व्यवस्था और सामरिक शक्ति को इतना सुदृढ़ करना होगा कि शत्रु हमारे विरुद्ध विचार करने से पहले भी सौ बार सोचे। स्वधर्म और स्वसंस्कृति के प्रति हीनभावना को त्यागकर गर्व के साथ अपनी जड़ों से जुड़ना ही संभाजी महाराज को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। नागरिक के रूप में हमें सतर्क रहना होगा कि कहीं हमारी व्यक्तिगत स्वार्थसिद्धि राष्ट्र के हितों से ऊपर न हो जाए। हमें भ्रष्टाचार और गद्दारी जैसी दीमकों को समाज से उखाड़ फेंकना होगा। संभाजी महाराज का रक्त हमारे भीतर इस चेतना का संचार करे कि भारत भूमि का प्रत्येक कण पवित्र है और इसकी रक्षा के लिए हमें सदैव तत्पर रहना है। जिस दिन हम सामूहिक रूप से यह संकल्प ले लेंगे कि राष्ट्र प्रथम, उस दिन कोई भी औरंगजेब इस पावन धरा की ओर आंख उठाकर देखने का दुस्साहस नहीं कर पाएगा। आइए, 11 मार्च को उस महान बलिदानी को नमन करते हुए हम अपने भीतर के राष्ट्रप्रेम को जागृत करें और एक ऐसे समर्थ भारत का निर्माण करें जो विश्व में अपनी वीरता और ज्ञान के लिए पुन: शिरोमणि बने। धर्मवीर संभाजी महाराज का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा, यदि हम उनके संघर्ष से सीख लेकर स्वयं को राष्ट्र के प्रति समर्पित कर दें। जय शिवाजी, जय शंभूराजे!

(लेखक अनेक समाजसेवी और स्वयं सेवी संस्थाओं के केंद्र बिंदु हैं। वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के मध्य प्रदेश के संयोजक हैं। आपने विभिन्न विषयों पर केंद्रित अनेक साहित्यों का सृजन किया है।)

इसलिए रह जाती है पूर्व जन्म की स्मृतियां

माना जाता है कि संसार में हम जो भी काम करते अथवा बोलते हैं वह एक उर्जा के रूप में प्रकृति में वर्तमान रहती है। उर्जा के विषय में विज्ञान कहता है कि उर्जा कभी नष्ट नहीं होती है। इसका स्वरूप बदलता रहता है। हमारी आत्मा भी उर्जा का ही स्रोत है इसलिए कभी मनुष्य शरीर में रहती है तो कभी पशु, कीट की योनी में जाकर रहती है।

लेकिन अपनी आत्मा को हम किस रूप में स्थान देना चाहते हैं यह हमारे अपने हाथ में है। जिस प्रकार उर्जा को कर्म के अनुसार रूपांतरित किया जा सकता है ठीक उसी प्रकार कर्म के अनुसार आत्मा को भी रूप दिया जा सकता है। पुराणों में बताया गया है कि आत्मा का वही रूप होता है जैसे शरीर में वह विराजमान होता है। वर्तमान जन्म में हम जो अच्छे या बुरे कर्म करते हैं उसके अनुरूप आत्मा दूसरा शरीर ग्रहण करती है।

आत्मा अपने साथ पूर्व जन्म की स्मृति और आकांक्षाओं को भी साथ में लेकर दूसरे शरीर में प्रवेश करती है। शरीर बदलने के बाद भी आत्मा पुराने शरीर की स्मृतियों को नहीं भूलती है। इस तथ्य को परामनोवैज्ञानिक भी स्वीकार करते हैं। मरने के समय जिनकी आत्मा अतृप्त रहती है और पूर्व जन्म कार्यों को पूरा करने के लिए छटपटाती रहती है। ऐसे लोगों को अपने पूर्व जन्म की कई बातों की स्मृति रहती है।

पुराणों में पार्वती के पूर्व जन्म की कथाओं का उल्लेख मिलता है। कथाओं में बताया गया है कि पार्वती को पूर्व जन्म में प्रजापति दक्ष की पुत्र के रूप में जन्म लेकर शिव से विवाह और अग्नि कुण्ड में भष्म होने की घटना का स्मरण था। शिव को फिर से पति रूप में पाने के लिए ही सती ने पार्वती के रूप में जन्म लिया और कठोर तपस्या किया। पुराणों और शास्त्रों में कई ऐसी कथाओं का जिप्र किया गया है जिसमें व्यक्ति को अपने पूर्व जन्म की घटनाओं की स्मृति रही। जिमूतवाहन व्रत में भी इसी तरह की एक कथा का उल्लेख मिलता है।

विचार मंथन

भारत में रसोई गैस का संकट देशभर में अफरा-तफरी

(लेखक- सनत जैन)

ईरान-इजरायल युद्ध का असर अब भारत में बड़े पैमाने पर दिखने लगा है। रसोई गैस की आपूर्ति पर जिस तरह के प्रतिबंध पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा लगाए जा रहे हैं, उसके बाद स्थिति बुरी तरह से गड़बड़ा गई है। होटल और रेस्टोरेंट के संचालकों को कामर्शियल गैस के सिलेंडर की आपूर्ति बंद कर दी गई है। जिसके कारण देशभर के हजारों रेस्टोरेंट और होटल बंद होने की कगार पर हैं। वहीं शादी-विवाह का सीजन होने के कारण इसका असर पूरे देश में देखने को मिल रहा है। गैस सिलेंडर की कीमत पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा बढ़ा दी गई है। गैस की डिलीवरी भी मनमाने तरीके से की जा रही है। इसको देखते हुए केंद्र सरकार ने आनन-फानन में एस्मा लागू किया है। इससे स्पष्ट है, भारत में रसोई गैस को लेकर अचानक पैदा हुए संकट ने आम जनता से लेकर छोटे कारोबारियों को मुसीबत में डाल दिया है। कामर्शियल एवं घरेलू एलपीजी सिलेंडरों पर लगी पाबंदियों और आपूर्ति में आई रुकावटों के कारण देश के कई शहरों में होटल, रेस्टोरेंट और छोटे खाद्य व्यवसाय बंद होने की स्थिति में आ गए हैं। देश भर के कई स्थानों के होटल और ढाबों ने अस्थायी रूप से अपने व्यवसाय को बंद करने की घोषणा कर दी है, जिससे लाखों लोगों का रोजगार और करोड़ों लोगों की नौकरी में संकट उत्पन्न हो गया है। लोगों को चाय पानी नाश्ता और खाना भी कारोबारी स्थलों पर नहीं मिल पा रहा है। कामर्शियल गैस सिलेंडर का इस्तेमाल देश के लाखों छोटे बड़े व्यवसायों में होता है। जहां करोड़ों लोग काम करते हैं। सड़क किनारे चाय, पोहा, वड़ा-पाव, कुलचे-भटूरे बेचने वाले छोटे दुकानदार से लेकर बड़े रेस्टोरेंट तक सभी एलपीजी गैस पर निर्भर हैं। गैस सिलेंडर की सप्लाई में रुकावट आती है, बुकिंग पर सख्त प्रतिबंध लगाए जाते हैं। इसका सीधा असर करोड़ों लोगों पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से पडने जा रहा है। देश के कई शहरों में एजेंसियों के बाहर सिलेंडर लेने के लिए लंबी कतारें लग रही हैं। कहीं-कहीं कानून व्यवस्था की स्थिति भी गड़बड़ाने लगी है। हर तरफ बेचैनी का माहौल देखने को मिल रहा है।

सरकार का दावा है, देश में गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। किसी संकट की स्थिति नहीं है। विपक्ष ने संसद में चर्चा की मांग की, जिसे सरकार ने स्वीकार नहीं किया। 24 घंटे के अंदर ही जमीनी हालात कुछ और कहानी कह रहे हैं। कई जगहों पर गैस सिलेंडर की आपूर्ति की शिकायतें मिलने लगी हैं। इससे लोगों के बीच घबराहट फैल रही है। गैस की आपूर्ति पर कालाबाजारी होने लगी है। विशेषज्ञों का कहना है, इतने बड़े संकट में ऊर्जा आपूर्ति जैसे संवेदनशील मामले में नीतिगत निर्णय सोच-समझकर करने चाहिए। जब संसद सत्र चल रहा है, तब इस गंभीर संकट पर विस्तृत चर्चा होनी ही चाहिए। अचानक लगाए गए प्रतिबंध या आपूर्ति में बदलाव के निर्णय का असर केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसका असर व्यापक स्तर पर सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। एलपीजी के अभाव में होटल और छोटे खाद्य व्यवसाय बंद होने लगे हैं। इससे लाखों मजदूरों, कर्मचारियों तथा छोटे कारोबारियों की आजीविका प्रभावित हो रही है।

शहरी क्षेत्र में खाना बनाना भी आम परिवारों के लिए बड़ा मुश्किल हो जाएगा। भारत में बिजली की आपूर्ति बेहतर स्थिति में नहीं है। जिसके कारण ऊर्जा का संकट देश में प्रत्येक परिवार पर गंभीर रूप से प्रभाव डाल रहा है। सरकार की जिम्मेदारी है, वह वर्तमान स्थिति को पारदर्शिता के साथ संसद और आम जनता के सामने रखे। देश की जनता को विश्वास में ले। रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति को सुचारु बनाए रखने के लिए सुनिश्चित किया जाए। पेट्रोल डीजल और रसोई गैस की उपलब्धता निरंतर बनी रहे। छोटे कारोबारियों और उससे जुड़े हुए लोगों को परेशानियों का सामना ना करना पड़े। इसके लिए रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति में व्यवधान ना हो। इनकी कीमतें नियंत्रित रहें। देश की अर्थव्यवस्था में छोटे व्यवसायों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

इस स्थिति में सरकार की नीति या आदेश का असर यदि आम जनता के अस्तित्व पर पड़ने लगे। उस पर गंभीरता के साथ विचार विमर्श कर निर्णय करना आवश्यक हो जाता है। केंद्र सरकार द्वारा 10 मार्च 2026 को एस्मा लागू करते हुए रिफाइनरियों और गैस आपूर्ति करने वाली कंपनियों और डीलरों के लिए 6 महीने के लिए लागू किया है। इसमें रिफाइनरी और तेल कंपनियों को आपूर्ति बनाए रखने के लिए विशेष प्रावधान लागू किए गए हैं। अमेरिका और ईरान युद्ध के बाद जिस तरह से कच्चे तेल प्राकृतिक गैस की आपूर्ति एवं कीमत बढ़ने का असर आम जनता के ऊपर प्रत्यक्ष रूप से देखने को मिल रहा है। वैसी कोई तैयारी शासन स्तर पर दिख नहीं रही है। संसद सत्र में इसकी चर्चा नहीं हो रही है। इसको लेकर आम जनता के मन में वर्तमान युद्ध के हालात को देखते हुए अपने भविष्य और सरकार की विश्वसनियता को लेकर अनिश्चितता का वातावरण बढ़ता चला जा रहा है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह चिंता का सबसे बड़ा कारण है। सरकार ना तो संसद को विश्वास में ले रही है ना ही आम जनता को विश्वास में ले रही है। जिसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया आम जनता के बीच में हो रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

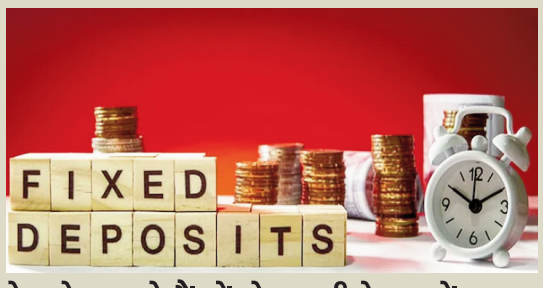

देश के 6 बड़े बैंकों ने एफडी रेट्स में बदलाव किया

मुंबई ।

देश के छह बड़े बैंकों ने 6 मार्च से फिक्स डिपाजिट की ब्याज दरों में बदलाव किया है। एचडीएफसी बैंक ने 6 मार्च 2026 से नई एफडी दरें लागू की हैं। सामान्य ग्राहकों के लिए ब्याज दरें 2.75 से 6.50 फीसदी तक हैं, जबकि सीनियर सिटीजन 3.25 से 7 फीसदी तक ब्याज पा सकते हैं। खास बात यह है कि 3 साल 1 दिन से 4 साल 7 महीने की अवधि वाली एफडी पर बैंक ने 6.50 फीसदी ब्याज दर लागू की है। कुछ अन्य पीरियड में दरों में कटौती भी की गई है। यश बैंक ने 5 मार्च से 3 करोड़ रुपये से कम की एफडी पर नई दरें लागू की हैं। सामान्य ग्राहकों के लिए यह 3.25 से 7 फीसदी और सीनियर सिटीजन के लिए 3.75 से 7.75 फीसदी तक है। सबसे अधिक रिटर्न 36 महीने से कम और 60 महीने से कम की अवधि वाली एफडी पर मिलता है। बंधन बैंक में सामान्य ग्राहकों को 2.95 से 7.25 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 3.70 से 7.75 फीसदी तक ब्याज मिलेगा। इंडियन बैंक की स्पेशल 300 दिन की एफडी योजना में सामान्य ग्राहक 7.05 और सीनियर सिटीजन 7.55 फीसदी तक रिटर्न पा सकते हैं। सर्वोदय स्माल फायनेंस बैंक में 5 साल की एफडी पर सामान्य ग्राहकों को 7.90 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 8.10 फीसदी तक ब्याज मिलता है। इक्विटीज स्माल फायनेंस बैंक में भी सीनियर सिटीजन 8 फीसदी तक कमा सकते हैं, जबकि सामान्य ग्राहकों के लिए दरें 3.50 से 7.40 फीसदी के बीच हैं।

मुंबई के रेस्टोरेंट संकट में कमर्शियल एलपीजी की कमी

मुंबई । मुंबई में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की अचानक कमी के कारण शहर के होटल और रेस्टोरेंट संकट में हैं। गैस आपूर्ति में रुकावट के चलते लगभग 20 फीसदी होटल और रेस्टोरेंट पहले ही बंद हो चुके हैं। जो रेस्टोरेंट अभी खुले हैं, वे केवल अपने पुराने बचे हुए एलपजी स्टॉक के भरोसे काम कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि अगर अगले दो दिनों में गैस आपूर्ति सामान्य नहीं हुई, तो शहर के लगभग 50 फीसदी होटल बंद हो सकते हैं। हालांकि एसोसिएशन ने कोई सामूहिक बंद करने का आधिकारिक फैसला नहीं लिया है। रेस्टोरेंट को खुला रखने या बंद करने का निर्णय व्यक्तिगत मालिकों और उनकी जगह पर गैस स्टॉक की उपलब्धता पर निर्भर करेगा। हर होटल अपनी सुविधा और आपूर्ति के अनुसार ही निर्णय ले रहा है।

श्रीलंका की सीलोन पेट्रोलियम ने पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोतरी की

नई दिल्ली। श्रीलंका की सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। नई कीमतों के अनुसार ऑटो डीजल अब 303 रुपए प्रति लीटर (22 रुपये की वृद्धि) और सुपर डीजल 353 रुपए प्रति लीटर (24 रुपए की बढ़ोतरी) हो गया है। पेट्रोल में भी इजाफा हुआ है, 92 ऑक्टेन पेट्रोल 24 रुपए बढकर 317 रुपये प्रति लीटर और 95 ऑक्टेन पेट्रोल 25 रुपए बढ़कर 365 रुपए प्रति लीटर हो गया। केरोसिन का दाम बढ़कर 195 रुपये प्रति लीटर (प्लस 13) हुआ है। सरकारी कंपनी के साथ-साथ लंका आईओसी ने भी समान अनुपात में दाम बढ़ाए हैं। पाकिस्तान में कच्चे तेल की सप्लाई बाधित होने के कारण हाल ही में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 55 रुपये की बड़ी बढ़ोतरी हुई। अब पेट्रोल 321.17 रुपये और डीजल 335.86 रुपये प्रति लीटर हो गया है। इससे पहले 1 मार्च को पेट्रोल और डीजल की कीमत में क्रमशः 8 और 5 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने आपूर्ति से जुड़े मुद्दों की समीक्षा के लिए बनाई समिति

नई दिल्ली ।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की किल्लत होने की वजह से होटल और रेस्तरां उद्योग में चिंता बढ़ने के बाद पेट्रोलियम मंत्रालय ने आपूर्ति से जुड़े मुद्दों की समीक्षा के लिए एक समिति गठित की है। मंत्रालय ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि रेस्तरां, होटलों और अन्य उद्योगों को एलपीजी आपूर्ति से संबंधित मांगों की समीक्षा के लिए तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के तीन कार्यकारी निदेशकों की एक समिति बनाई गई है। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण ईंधन आपूर्ति श्रृंखला पर बड़ा असर पड़ा है। ऐसे हालात में सरकार ने घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता दी है, जिससे बाजार मूल्य वाले वाणिज्यिक एलपीजी का उपयोग करने वाले होटल एवं रेस्तरां को आपूर्ति संकट का सामना करना पड़ रहा है। भारत में सालाना करीब 3.13 करोड़ टन एलपीजी की खपत होती है। इसमें लगभग 87 प्रतिशत हिस्सा घरेलू रसोई गैस का है जबकि बाकी का उपयोग होटल, रेस्तरां और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में होता है। देश की कुल एलपीजी जरूरत का करीब 62 प्रतिशत आयात से पूरा होता है। ईरान पर अमेरिका एवं इजराइल के संयुक्त हमले और फिर ईरान की जवाबी कार्रवाई के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल एवं गैस आयात प्रभावित हुआ है। इसी मार्ग से भारत को सऊदी अरब जैसे देशों से एलपीजी आयात का 85 से 90 प्रतिशत हिस्सा मिलता है। सरकार इस समय वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत की तलाश कर रही है, लेकिन सीमित उपलब्धता के कारण घरेलू क्षेत्र को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे वाणिज्यिक प्रतिष्ठान प्रभावित हो रहे हैं। उद्योग सूत्रों के अनुसार इस आपूर्ति बाधा का असर मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में दिखने लगा है, जहां होटल और रेस्तरां को रसोई गैस उपलब्ध कराने में मुश्किल हो रही है।

वैश्विक अस्थिरता के कारण घबराने की जरूरत नहीं: सेबी चेयरमैन

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने निवेशकों से कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और वैश्विक अस्थिरता के कारण घबराने की जरूरत नहीं है। पांडेय ने बताया कि युद्ध के कारण प्रमुख समुद्री मार्गों में व्यवधान और तेल-गैस की आपूर्ति पर असर पड़ा है, जिससे वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव आया है। उन्होंने जोर दिया कि भारत के घरेलू फंडामेंटल मजबूत हैं, जो निवेशकों को स्थिरता प्रदान कर रहे हैं। उनका संदेश था कि इस समय निवेशकों को शांत रहकर दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। पांडेय ने कहा कि निफ्टी 50 सूचकांक ने लगभग 11 फीसदी सालाना चक्रवृद्धि वृद्धि दर्ज की है और इसकी शुरुआत से अब तक लगभग 25 गुना वृद्धि हुई है। वर्तमान में 40 से अधिक एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) निफ्टी 50 को ट्रैक करते हैं, जिससे निवेशकों के लिए शेयर बाजार में भागीदारी आसान और किफायती हो गई है। उन्होंने कहा कि निफ्टी 50 अब कॉरपोरेट इंडिया का दर्पण, निवेशक भावना का बैरोमीटर और बाजार की दिशा का मार्गदर्शक बन चुका है। पांडेय ने बताया कि भारत की अगली पीढ़ी की कंपनियां आज के शुरुआती उद्योगों से उभरेंगी। जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था बढ़ेगी और वैश्विक वित्तीय प्रणालियों से जुड़ाव बढ़ेगा, बाजार बड़े, जटिल और नए अवसरों से भरपूर होंगे। इससे निवेशकों के लिए नए अवसर पैदा होंगे और उन्हें नई जिम्मेदारियां भी निभानी होंगी। एनएसई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एक्सचेंज इस महीने निवेश बैंकरों की नियुक्ति कर अपनी बहुप्रतीक्षित आईपीओ की तैयारी कर रहा है। सेबी ने कम फ्लोट के साथ आईपीओ की अनुमति दे दी है, जिससे संभावित देरी का समाधान हो गया।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 639, निफ्टी 233 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से ईरान से जुड़े संघर्ष के जल्द समाप्त होने की संभावना वाले बयान के साथ ही दुनिया भर के बाजारों से अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी बढ़ने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 639.82 अंक बढ़कर 78,205.98 । वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 233.55 उछलकर 24,261.60 के स्तर पर बंद हुआ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड) की कीमतों में गिरावट से भी बाजार को बल मिला। ब्रेंट क्रूड करीब 5 फीसदी से अधिक गिरकर लगभग 93.83 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इससे पहले यह तीन साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया था जिससे बाजार नीचे आया था। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि तेल की कीमतों में एक ही दिन में आये अंतर से साफ है कि पश्चिम एशिया में तेजी से हालात बदल रहे हैं।

सेंसेक्स के 30 में से 24 शेयर तेजी के साथ बंद हुए। महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में सबसे ज्यादा 3.67 फीसदी तेजी। इसी तरह इंडिगो, एशियन पेंट्स और मारुति के शेयर भी दो फीसदी से अधिक चढ़ गए। दूसरी ओर इन्फोसिस, इटरनल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टीसीएस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में गिरावट रही।

ब्रॉडर बाजार में निफ्टी मिडकैप में 1.62 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 2.12 फीसदी तेजी आई। निफ्टी ऑटो में सबसे ज्यादा तेजी रही। निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में भी तेजी आई पर लेकिन निफ्टी आईटी इंडेक्स में सबसे ज्यादा गिरावट आई। निफ्टी ऑयल एंड गैस भी गिरावट के साथ बंद हुआ।

आज एशियाई बाजारों में भी बढ़त रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी करीब 5 फीसदी जबकि जापान का निक्केई 2.5 फीसदी उछला। वहीं चीन के शंघाई कंपोजिट और हांगकांग के हैंग सेंग में भी बढ़त रही। अमेरिकी बाजारों में भी पिछले सत्र में मजबूती रही

इससे पहले आज सुबह बाजार ने मजबूती के साथ कारोबार की शुरुआत की। कारोबार की शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स मजबूती के साथ 78,375 अंक पर खुला। इससे पहले सोमवार को यह 77,566 अंक पर बंद हुआ था। इसी तरह निफ्टी 50 भी बढ़त के साथ खुला। निफ्टी 24,280 अंक पर खुला और खुलते ही 24,300 अंक के स्तर को पार कर गया।

फ्लिपकार्ट की 15 साल बाद भारत वापसी, मेगा आईपीओ की तैयारी

सिंगापुर छोड़ अब पूरी तरह भारतीय हो जाएगी कंपनी

नई दिल्ली । वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने अपनी होल्डिंग कंपनी का स्थायी पता सिंगापुर से भारत में स्थानांतरित कर लिया है। यह कदम संभावित प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले कॉर्पोरेट ढांचे को सरल बनाने और पूरी तरह भारतीय कंपनी के रूप में अपने विकास को अगले चरण में ले जाने की रणनीति का हिस्सा है। भारत सरकार से आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद यह कानूनी प्रक्रिया पूरी हुई। चीन की प्रमुख टेक कंपनी टेनसेंट की फ्लिपकार्ट में 5-6 फीसदी हिस्सेदारी है। इस अल्पांश विदेशी निवेश के लिए प्रेस नोट 3 मंजूरी जरूरी थी, जिसे सरकार ने हाल ही में दे दिया। विशेषज्ञ मानते हैं कि हाल में चीन से जुड़े निवेश मामलों में नीति में ढील का संकेत भी इस मंजूरी में सहायक रहा। सूत्रों के अनुसार फ्लिपकार्ट अपने आईपीओ के लिए 2026 के अंत या 2027 में बाजार में उतर सकती है। अनुमानित मूल्यांकन 35-50 अरब डॉलर के बीच है। कंपनी अपने आईपीओ से पहले 1-2 अरब डॉलर जुटाने पर भी विचार कर सकती है। इसके लिए गोल्डमैन सैक्स, मॉर्गन स्टैनली और जेपी मॉर्गन जैसी प्रमुख निवेश बैंकों के साथ शुरुआती चर्चा हुई है। फ्लिपकार्ट के भारत में मुख्य प्रतिस्पर्धी एमेजॉन, रिलायंस जियोमार्ट और टाटा ई-कॉमर्स हैं। हाल ही में कंपनी ने अपने बोर्ड को मजबूत किया और परिचालन को दुरुस्त किया। फिक्की और डेलॉयट की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का ई-कॉमर्स बाजार 2030 तक 325 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है, जिसकी सालाना वृद्धि दर 21 फीसदी अनुमानित है। फ्लिपकार्ट के प्रवक्ता ने कहा कि यह पुनर्गठन भारत सरकार से मिली मंजूरी के तहत हुआ है और अब फ्लिपकार्ट इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड समूह की होल्डिंग कंपनी बनेगी। उन्होंने कहा कि यह कदम भारत के प्रति कंपनी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है और फ्लिपकार्ट के लिए विकास का अगला चरण शुरू करता है।

आरबीआई की गोल्डीलॉक्स स्थिति पर तेल संकट का खतरा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने फरवरी की मौद्रिक नीति बैठक में अर्थव्यवस्था को संतुलित या 'गोल्डीलॉक्स' स्थिति बताया था। कम महंगाई और मजबूत आर्थिक वृद्धि के संकेतों के कारण रीपो दर 5.25 फीसदी पर यथावत रखी गई। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति को अनुकूल बताया और संकेत दिया कि ब्याज दरें लंबी अवधि तक इसी स्तर पर रह सकती हैं। हालांकि, पश्चिम एशिया में युद्ध और कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि से यह संतुलन खतरे में है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह भू-राजनीतिक झटका आरबीआई की मौद्रिक नीति पर असर डाल सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा ब्याज दरें तब तक स्थिर रहेंगी जब तक कोई बड़ा आर्थिक या वैश्विक झटका नहीं आता, यदि महंगाई तेजी से बढ़ती है तो ब्याज दरों में अपेक्षा से पहले वृद्धि संभव है। फरवरी की समीक्षा में आरबीआई0 ने अपनी तटस्थ नीति बरकरार रखी, जो मौजूदा स्थिति पर नजर रखने और प्रतीक्षा की रणनीति को दर्शाती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि आने वाले समय में ब्याज दरों के निर्णय डेटा और वैश्विक घटनाओं पर आधारित सावधानीपूर्ण रणनीति के तहत लिए जाएंगे।

चीन का निर्यात 2026 की शुरुआत में 22 फीसद बढ़ा

- दिसंबर 2025 में निर्यात केवल 6.6 फीसदी बढ़ा था

हांगकांग । चीन का निर्यात जनवरी-फरवरी 2026 में सालाना आधार पर लगभग 22 फीसदी बढ़ गया, जो अर्थशास्त्रियों के अनुमान से अधिक है। दिसंबर 2025 में निर्यात केवल 6.6 फीसदी बढ़ा था। इस वृद्धि के बावजूद, अमेरिका को निर्यात में गिरावट दर्ज की गई है, जो लगभग 27 फीसदी कम हुई। यूरोप और लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों में निर्यात में बढ़ोतरी ने इस गिरावट को संतुलित किया।वहीं, चीन का आयात जनवरी-फरवरी में लगभग 20 फीसदी बढ़ा, जबकि दिसंबर में यह सिर्फ 5.7 फीसदी था। यह संकेत करता है कि घरेलू मांग मजबूत बनी हुई है। चीन आम तौर पर इन दो महीनों के व्यापार आंकड़े एक साथ जारी करता है ताकि चंद्र नववर्ष के मौसमी प्रभाव का समायोजन किया जा सके। जनवरी-फरवरी 2026 में चीन का वैश्विक व्यापार अधिशेष 213.6 अरब डॉलर रहा। पिछले वर्ष, 2025 में चीन का व्यापार अधिशेष लगभग 1.2 लाख करोड़ डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि निर्यात की वृद्धि अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक है, चीन की संपत्ति क्षेत्र में मंदी और आर्थिक दबाव जारी है। इस कारण, चीन ने 2026 के लिए आर्थिक वृद्धि लक्ष्य 4.5-5.0 फीसदी तय किया है, जो 1991 के बाद सबसे कम है।

पंजाब में कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई पर अस्थायी रोक

- गैस की कमी का असर कई शहरों में भी देखने को मिला

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर अब भारत में रसोई गैस और कमर्शियल गैस की सप्लाई पर दिखाई देने लगा है। गैस निर्यात करने वाले देशों से आने वाली खेप में देरी हो रही है, जिसके कारण भारतीय बंदरगाहों पर गैस की डिलीवरी धीमी पड़ गई है। हालात को देखते हुए सरकार और सरकारी तेल कंपनियां फिलहाल घरेलू जरूरतों को प्राथमिकता दे रही हैं। इसी के तहत पंजाब में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति अस्थायी रूप से रोक दी गई है। इसमें 19 किलो, 47.5 किलो और 425 किलो के बड़े सिलेंडर शामिल हैं, जिनका इस्तेमाल आमतौर पर होटल, रेस्टोरेंट और उद्योगों में किया जाता है। साथ ही गैस एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं कि ग्राहक 25 दिन पूरे होने से पहले नया सिलेंडर बुक न करें। गैस की कमी का असर कुछ शहरों में भी देखने को मिला है। पुणे में गैस से चलने वाले शवदाह गृहों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा है, क्योंकि प्रोपेन और ब्यूटेन जैसी गैसों की आपूर्ति प्रभावित हुई है। इस बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तनाव बना हुआ है। डोनाल्ड ट्रम्प ने फ्लोरिडा में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि सैन्य अभियान जल्द समाप्त हो सकता है, लेकिन उन्होंने इसकी कोई निश्चित समयसीमा नहीं बताई। उन्होंने इरान

को चेतावनी दी कि अगर उसने स्ट्रेट आफ होर्मुज से तेल की आवाजाही रोकी तो अमेरिका कड़ी सैन्य कार्रवाई करेगा। उधर ईरान के अधिकारियों का कहना है कि युद्धविराम तभी संभव है जब देश पर आगे कोई हमला न हो। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार जारी हमलों में अब तक 1,255 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 200 बच्चे और 11 स्वास्थ्यकर्मी शामिल हैं।

फरवरी में बीमा सेक्टर में तेजी, प्राइवेट कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी बढ़ी

रिटेल एनुअल प्रीमियम इक्विवेलेंट में करीब 21 फीसदी की बढ़त

नई दिल्ली ।

फरवरी 2026 में बीमा सेक्टर में मजबूत तेजी देखने को मिली है। प्रीमियम कलेक्शन में बढ़ोतरी के साथ प्राइवेट बीमा कंपनियों ने बाजार में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। एक ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट के अनुसार फरवरी में बीमा उद्योग का रिटेल एनुअल प्रीमियम इक्विवेलेंट (एपीई) सालाना आधार पर करीब 20.9 फीसदी बढ़ा। रिपोर्ट के मुताबिक इस वृद्धि में सरकारी बीमा कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कारपोरेशन आफ इंडिया का रिटेल एपीई 22.8 फीसदी बढ़ा, जबकि प्राइवेट बीमा कंपनियों की ग्रोथ लगभग 20.2 फीसदी रही। हालांकि रिटेल सेगमेंट में प्राइवेट कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 72.5 फीसदी हो गई, जो पिछले साल के मुकाबले करीब 165 बेसिस प्वाइंट ज्यादा है। कंपनियों के प्रदर्शन की बात करें तो मैक्स फायनेंशियल सर्विसेज ने फरवरी में करीब 28 फीसदी की सालाना बढ़त दर्ज करते हुए सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। इसके बाद एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस का रिटेल एपीई 16.2 फीसदी बढ़कर 13.7 अरब रुपये हो गया। कंपनी का कुल एपीई 18.3 फीसदी बढ़ा और बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 17.7 फीसदी तक पहुंच गई। वहीं एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस का रिटेल एपीई 12.1 फीसदी बढ़कर 13.4 अरब रुपये हो गया और कंपनी की बाजार हिस्सेदारी करीब 10.9 फीसदी पर स्थिर रही। दूसरी ओर आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस का रिटेल एपीई लगभग 9.8 फीसदी बढ़ा। छोटे आधार पर केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस ने करीब 61 फीसदी की मजबूत सालाना वृद्धि दर्ज की।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर बुकिंग नियम बदले, अब 25 दिन बाद ही होगा रीफिल

- मिडिल ईस्ट तनाव के बीच जमाखोरी रोकने के लिए सरकार का फैसला

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की री-फिल बुकिंग के नियमों में बदलाव किया है। अब उपभोक्ता एक सिलेंडर की डिलीवरी के बाद दूसरा सिलेंडर 21 दिन की बजाय कम से कम 25 दिन बाद ही बुक कर सकेंगे। सरकार का कहना है कि यह कदम सिलेंडरों की जमाखोरी और अनावश्यक बुकिंग को रोकने के लिए उठाया गया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार पहले अधिकांश उपभोक्ता लगभग 50 से 55 दिनों में एक सिलेंडर बुक करते थे, लेकिन हाल के दिनों में कुछ लोग 15 से 20 दिन के भीतर ही दोबारा बुकिंग करने लगे थे। इससे अचानक मांग बढ़ने लगी थी और सप्लाई व्यवस्था पर दबाव पड़ रहा था। इधर मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और ईरान, इजरायल तथा अमेरिका के बीच जारी संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति को लेकर भी चिंता बढ़ी है। इसी बीच देश की प्रमुख गैस कंपनियों ने कई जगहों पर कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई सीमित या अस्थायी रूप से रोक दी है। 5, 19 और 425 किलोग्राम के जंबो कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति प्रभावित होने से होटल, रेस्टोरेंट और कई औद्योगिक इकाइयों में भी संकट की आशंका जताई जा रही है। हालांकि सरकार ने भरोसा दिलाया है कि घरेलू उपभोक्ताओं को गैस की आपूर्ति प्राथमिकता के आधार पर जारी रहेगी।

एलपीजी की आपूर्ति बंद हुई तो 5 लाख रेस्टोरेंट्स हो सकते हैं बंद

नई दिल्ली ।

देश में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की संभावित कमी को लेकर रेस्टोरेंट उद्योग ने चिंता जताई है। नेशनल रेस्टारेंट एसोशिएशन आफ इंडिया (एनआरएआई) ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर कमर्शियल एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। संगठन का कहना है कि यदि गैस की आपूर्ति बाधित होती है तो देशभर में बड़ी संख्या में रेस्टोरेंट बंद होने की स्थिति पैदा हो सकती है। एनआरएआई ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी को लिखे पत्र में कहा है कि रेस्टोरेंट उद्योग अपने दैनिक संचालन के लिए कमर्शियल एलपीजी पर पूरी तरह निर्भर है। ऐसे में आपूर्ति रुकने से कारोबार पर गंभीर असर पड़ेगा और आम लोगों के लिए भोजन की उपलब्धता भी प्रभावित हो सकती है।

कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति को लेकर यह चिंता ऐसे समय सामने आई है जब पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कुछ क्षेत्रों

में गैस आपूर्ति प्रभावित होने की खबरें आ रही हैं। बताया जा रहा है कि कुछ सप्लायरों ने रेस्टोरेंट और होटलों को गैस की आपूर्ति रोक दी है, जिससे उद्योग में अनिश्चितता का माहौल बन गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टी20 विश्व कप : 131 करोड़ से भी खुश नहीं भारतीय क्रिकेटर, कहा- इससे भी बड़ी इनामी राशि की उम्मीद थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 में भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद Board of Control for Cricket in India (BCCI) ने भारतीय टीम के लिए 131 करोड़ रुपये की इनामी राशि की घोषणा की है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। हालांकि इस बड़ी घोषणा के बावजूद पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि टीम की उपलब्धि को देखते हुए इनाम की राशि और अधिक होनी चाहिए थी।

बीसीसीआई ने किया 131 करोड़ रुपये के इनाम का ऐलान

टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद बीसीसीआई ने भारतीय टीम और सपोर्ट स्टाफ के लिए कुल 131 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि की घोषणा की। भारतीय क्रिकेट में यह इनाम हाल के वर्षों में घोषित की गई सबसे बड़ी रकमों में से एक माना जा रहा है। बोर्ड ने यह फैसला टीम के शानदार प्रदर्शन और ऐतिहासिक उपलब्धि को सम्मान देने के लिए लिया। इस जीत ने न केवल खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया, बल्कि भारतीय क्रिकेट की ताकत को भी एक बार फिर दुनिया के सामने साबित किया।

हरभजन सिंह को थी और ज्यादा उमीद

इनामी राशि की घोषणा के बाद पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि टीम की उपलब्धि को देखते हुए उन्हें इससे भी बड़ी इनामी राशि की उम्मीद थी। हरभजन का मानना है कि जब कोई टीम इतने बड़े मंच पर शानदार प्रदर्शन करती है और इतिहास रचती है, तो उसे मिलने वाला पुरस्कार भी उसी स्तर का होना चाहिए।हालांकि उन्होंने भारतीय टीम के प्रदर्शन की खुलकर तारीफ की और कहा कि खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में दबदबा बनाकर दुनिया को दिखा दिया कि भारतीय क्रिकेट कितनी मजबूत स्थिति में है।

भारत की ऐतिहासिक जीत

टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल भारतीय क्रिकेट के लिए बेहद यादगार रहा। भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारतीय टीम कई नए रिकॉर्ड बनाने में सफल रही। भारत अपनी धरती पर टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाला पहला देश बन गया। इसके अलावा भारत टी20 वर्ल्ड कप का खिताब लगातार दो बार जीतने वाली पहली टीम भी बन गया।

तीसरी बार जीती टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी

इस जीत ने भारत को टी20 वर्ल्ड कप

इतिहास की सबसे सफल टीमों में शामिल कर दिया। भारतीय टीम ने इससे पहले 2007 और 2024 में भी यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीती थी। 2026 में मिली जीत के साथ भारत तीन बार टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बन गया। यह उपलब्धि भारतीय क्रिकेट के लिए बेहद गर्व का विषय है और इससे टीम की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

अर्शदीप के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन के लिए कार्रवाई कर सकती है आईसीसी

-फाइनल में कीवी बल्लेबाज की ओर फेंकी थी गेंद

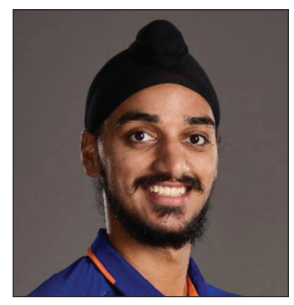

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर आचारसंहिता उल्लंघन के लिए कार्रवाई कर सकती है। अर्शदीप ने

टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल की ओर आक्रामक अंदाज में गेंद फेंकी थी जिससे शिकायत मिचेल ने अंपायर से भी की थी। आईसीसी ने इस घटना को गंभीरता से लिया है।

फाइनल मैच के दौरान अर्शदीप ने अपने दूसरे ओवर के दौरान गेंद को आक्रामक अंदाज में मिचेल की ओर फेंक दिया। यह गेंद सीधे मिचेल के कंधे पर जाकर लगी। इस घटना के बाद कुछ समय के लिए मैदान पर तनाव का माहौल बन गया। मिचेल इस घटना से नाराज नजर आए और उन्होंने इसकी शिकायत अंपायर से शिकायत की। दोनों खिलाड़ियों के बीच स्थिति तनातनी बढ़ती देखकर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को बीच में आना पड़ा। उन्होंने किसी प्रकार से मामले को हल कराया। यह मामला आईसीसी आचार संहिता के तहत जांच के दायरे में आ सकता है। अगर किसी खिलाड़ी द्वारा बल्लेबाज की ओर खतरनाक तरीके से गेंद फेंकी जाती है, तो इसे खेल भावना के विपरीत माना जाता है। ऐसे मामलों को आमतौर पर लेवल-1 अपराध की श्रेणी में रखा जाता है। ऐसे में यदि अर्शदीप दोषी पाए जाते हैं, तो उन पर मैच फीस का अधिकतम 50 फीसदी तक जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके साथ ही उनके खाते में एक या दो नकारात्मक अंक पॉइंट भी जोड़े जा सकते हैं।

आईसीसी के नियमों के अनुसार, अगर किसी खिलाड़ी के खाते में 24 महीनों के भीतर चार नकारात्मक अंक जमा हो जाते हैं, तो उन्हें निलंबन का सामना करना पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में खिलाड़ी को एक टेस्ट मैच या दो सीमित ओवरों के मैचों के लिए प्रतिबंधित किया जा सकता है। इसलिए खिलाड़ियों के लिए मैदान पर अनुशासन बनाए रखना चाहिये। मैच खत्म होने के बाद अर्शदीप ने खेल भावना दिखाते हुए मिचेल से माफी मांग ली। मिचेल ने भी उनकी माफी स्वीकार कर ली, जिससे मामला मैदान पर शांत हो गया। इसके बावजूद आईसीसी इस पूरे घटनाक्रम की समीक्षा कर सकता है और जरूरत पड़ने पर नियमों के अनुसार कार्रवाई कर सकता है।

आईसीसी ने वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से पहले इंग्लैंड की स्वदेश वापसी पर दी सफाई

-एयरस्पेस की उपलब्धता के आधार पर हुआ फैसला

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने टी20 विश्वकप के लिए भारत पहुंची वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से पहले इंग्लैंड के स्वदेश लौटने पर लगे भेदभाव के आरोपों को गलत बताते हुए कहा है कि इसके पीछे एयरस्पेस और उड़ानों की उपलब्धता बड़ा कारण रही है। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध के कारण हवाई यातायात प्रभावित होने से 20 विश्व कप 2026 क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान कुछ टीमें भारत में ही फंस गयी थी। इनमें वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के अलावा इंग्लैंड की टीम भी शामिल थी। 1 मार्च को भारत के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेलने वाली वेस्टइंडीज और 4 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल हारने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम काफी समय भारत में ही फंसी रही जबकि 5 मार्च को भारत के खिलाफ सेमीफाइनल हारने वाली इंग्लैंड इनसे पहले स्वदेश लौट गयी। इससे विवाद खड़ा हो गया है और वेस्टइंडीज व दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) पर भेदभाव का आरोप लगा दिया है। इन टीमों ने इंग्लैंड के जल्दी स्वदेश लौटने पर सवाल उठ रहे हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी आईसीसी पर खास ध्यान देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, इस स्थिति में सभी टीमों के साथ एक जैसा व्यवहार होना चाहिए। आईसीसी टेबल पर किसी टीम का ताकतवर होना अहम नहीं होना चाहिए।

वहीं इस मामले में आईसीसी ने अपनी सफाई देते हुए कहा कि उसने किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया। रवाना होने के क्रम पर फैसले सिर्फ एयरस्पेस की उपलब्धता, एयरक्राफ्ट रूटिंग अनुमति, वीजा की जरूरतों और सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिए गये। यह कहना कि टीमों को इन बाधाओं के अलावा किसी और वजह से प्राथमिकता दी गई है, सही नहीं है।

अब ओलंपिक स्वर्ण जीतना रहेगा लक्ष्य : सूर्यकुमार

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि अब उनकी टीम का लक्ष्य 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना रहेगा। सूर्यकुमार ने कहा कि है भारतीय टीम की जीत का राज आक्रामक रवैया अपनाना है। सूर्यकुमार ने कहा कि साल 2024 में मिली जीत के बाद से ही टीम आक्रामक अंदाज में खेलती आई है। सूर्या ने कहा कहा कि टी20 विश्वकप में टीम की जीत का रात एकजुट होकर खेलना रहा है। सूर्यकुमार ने कहा कि टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में बाधाएं आईं थीं पर , टीम ने सभी को हटाते हुए धीरे-धीरे लय पकड़ी और पूरे टूर्नामेंट में प्रभावी प्रदर्शन किया। सूर्यकुमार ने कहा कि पिछले एक महीने का सफर बेहद शानदार रहा है, हालांकि शुरुआत वैसी नहीं हुई जैसी हम चाहते थे पर खेल में ऐसा ही होता है। इस पूरे सफर में एक टीम के रूप में हमने काफी कुछ सीखा है। ऐसे में अब अगला लक्ष्य निश्चित रूप से ओलंपिक है, और उसके बाद होने वाला टी20 विश्व कप रहेगा।

सूर्या ने कहा कि पिछले विश्वप के बाद से ही टीम ने अधिक आक्रामक और आधुनिक शैली अपनाई, जिससे हमें बड़े टूर्नामेंटों में लगातार अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2024 के बाद सब कुछ बदल गया। हमने 2024 में एक अलग तरह का क्रिकेट खेला और वहीं से हमें समझ आया कि इस टीम को आगे कैसे बढ़ना है, कैसे खेलना है। और तब से यह एक शानदार सफर रहा है।सूर्यकुमार ने बताया कि टीम का मनोबल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में मिली सफलता से बढ़ा जिससे उसकी रणनीति सही साबित हुई और इसके बाद से ही ये सिलसिला बढ़ता गया है। । उन्होंने आगे कहा कि हमने 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जब जीती थी तब अलग तरह से क्रिकेट खेला और वहीं 2026 की जीत खास अंदाज में दर्ज की है।

इसलिए इस सिलसिले को बनाये रखना चाहिये।

इरफान पठान ने भारतीय टीम सफलता का श्रेय कोच और कप्तान को दिया

अहमदाबाद । पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि भारतीय टीम अभी विश्व की सीमित ओवरों के प्रारुप की सबसे अच्छी टीम है । पठान ने कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि इन दोनो ने ही टीम को यहां तक पहुंचाया है । पठान के अनुसार भारतीय टीम की लगातार सफलता के का मजबूत नेतृत्व और मार्गदर्शन है । उन्होंने कहा कि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम बेहद आत्मविश्वास के साथ खेल रही है । वहीं गंभीर ने खिलाड़ियों को सही भूमिका देकर टीम को संतुलित बनाया है ।

पठान ने यह भी कहा कि गंभीर की सबसे बड़ी खासियत उनकी विनम्रता है । वे टीम की सफलता का श्रेय हमेशा खिलाड़ियों और सहायोगी स्टाफ को देते हैं, जिससे टीम का माहौल सकारात्मक बना रहता है और खिलाड़ी खुलकर प्रदर्शन करते हैं । पठान के अनुसार टीम निडर होकर खेलती है, कोच और कप्तान अपने खिलाड़ियों का समर्थन भी करते हैं । टीम कठिन फैसले भी लेती है ।

कृष्णा नागर को राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप में दोहरी सफलता

हैदराबाद । पैरालंपिक चैंपियन कृष्णा नागर ने मंगलवार को यहां सातवीं सीनियर राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप के एसएच 6 वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक जीते । कृष्णा ने पुरुषों के एकल एसएच 6 फाइनल में सुदर्शन एमएस को 21-10, 21-19 से हराकर खिताब अपने नाम किया । कृष्णा ने इसके बाद मिश्रित एसए 6 वर्ग में नित्या श्री सुमति सिवन के साथ मिलकर अपना दूसरा स्वर्ण पदक मेडल जीता । इस जोड़ी ने सुदर्शन एमएस और श्रेया कुमारी को 21-7, 21-11 से हराया । एसएच 6 पैरा बैडमिंटन में छोटे कद के खिलाड़ियों के लिए एक वर्ग है जो आमतौर पर बौनेपन जैसी स्थिति के कारण होता है ।

टी20 विश्वकप इतिहास में पांड्या सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बने, युवराज दूसरे नंबर पर खिसके

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है । पांड्या टी20 विश्वकप इतिहास में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं । पांड्या ने अब तक विश्वकप में कुल 34 छक्के लगाये हैं । इससे पहले ये रिकार्ड पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के नाम था । युवराज ने कुछ 3 छक्के लगाये थे। अब पांड्या टी20 विश्वकप में मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए सबसे अधिक छक्के लगाने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बन गए हैं । वहीं युवराज दूसरे नंबर पर फिसल गये हैं । पांड्या ने इस बार विश्वकप में कुल 15 छक्के लगाये है । इससे पहले खेले गये टी20 विश्व कप में पांड्या ने कुल 19 छक्के लगाये थे । ये छक्के उन्होंने नंबर 4 से नंबर 7 तक बल्लेबाजी करते हुए लगाये थे । इस तरह कुल 34 छक्के उन्होंने मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए लगाये हैं । ये किसी भी बल्लेबाज के नंबर 4 से लेकर नंबर 7 के बीच सबसे ज्यादा छक्के हैं । इस सूची में 33 छक्कों के साथ युवराज दूसरे स्थान पर हैं । वहीं इस सूची में तीसरे नंबर पर ग्लेन मैक्सवेल हैं, जिन्होंने 28 पारियों में 32 छक्के मध्यक्रम में लगाये हैं । वहीं सूर्यकुमार के नाम 31 छक्के हैं और वह चौथे नंबर पर हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर ने 28 छक्के लगाकर पांचवे नंबर पर हैं ।

महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर : भारत को सेमीफाइनल में जगह के लिए ड्रॉ की जरूरत

हैदराबाद(एजेंसी)। भारत को एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर के सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पूल चरण के अपने अंतिम मैच में बुधवार को यहां वेल्स के खिलाफ कम से कम ड्रॉ हासिल करने की कोशिश करनी होगी। भारत फिलहाल पूल बी में दो मैचों में चार अंकों के साथ शीर्ष पर है। दूसरे स्थान पर मौजूद स्कॉटलैंड के भी चार अंक हैं, लेकिन भारत का गोल अंतर बेहतर है। प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी और भारत को अगर-मगर के बिना अंतिम चार में पहुंचने के लिए ड्रॉ या जीत की आवश्यकता होगी।

भारतीय टीम इस मुकाबले में अगर हार का सामना करती है तो उसके चार अंक ही रहेंगे और उसका क्वालीफिकेशन स्कॉटलैंड और उरुग्वे के बीच होने वाले मैच पर निर्भर करेगा। भारतीय महिला टीम का अब तक का अभियान शानदार रहा है। उसने आठ मार्च को उरुग्वे पर 4-0 की बड़ी जीत के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत की और फिर सोमवार को स्कॉटलैंड के खिलाफ कड़े संघर्ष के बाद 2-2 से ड्रॉ खेला।

युवा फॉरवर्ड सुनेलिता टोप्पो बेहतरीन फॉर्म में हैं और उन्होंने दोनों मैचों में गोल किए हैं। अग्रिम पंक्ति की खिलाड़ी लालरेम्सियामी, नवनीत कौर और रुतुजा दादासो पिसाल ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल दागे हैं और गोल करने के कई मौके बनाए हैं। भारतीय रक्षापंक्ति भी मजबूत रही है। गोलकीपर बिचु देवी ने लगातार महत्वपूर्ण बचाव किए हैं। हैदराबाद में अपने घरेलू दर्शकों के उत्साह से भरे माहौल में खेलने से मेजबान टीम को जबरदस्त ऊर्जा मिली है। भारतीय कप्तान सलीमा टेटे अब तक टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा, 'शुरुआती दो मैचों के बाद टीम में सकारात्मक माहौल है। युवा खिलाड़ी मौके का पूरा फायदा उठा रहे हैं और शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। टीम बेहतरीन तरीके से खेल रही है और यह हमारे लिए बहुत अच्छी बात है।' टेटे ने कहा, 'हम विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना चाहते हैं और चैंपियन बनना चाहते हैं। जब टीम एक साथ होती है तो हम इसी बारे में बात करते हैं और यही हमारा लक्ष्य है।'

वेल्स के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड शानदार है। भारत ने दोनों देशों के बीच छह मुकाबलों में से पांच में जीत दर्ज की है। वेल्स हालांकि इस टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज करने के लिए कड़ी टक्कर देगा, इसलिए भारत को अति आत्मविश्वास से बचते हुए एकाग्रता के साथ खेलना होगा। इस टूर्नामेंट की शीर्ष तीन टीमें इस साल के अंत में बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। दिन के अन्य मैचों में इंग्लैंड ऑस्ट्रिया से, इटली कोरिया से और स्कॉटलैंड उरुग्वे से भिड़ेगा।

चीनी ताइपे के खिलाफ हार के साथ भारत एएफसी महिला एशियाई कप से बाहर

सिडनी (एजेंसी)। खराब फॉर्म से जूझ रही भारतीय टीम मंगलवार को यहां एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप चरण के अपने आखिरी मैच में चीनी ताइपे से 1-3 से हारकर बाहर हो गई। भारतीय टीम को मौकों का फायदा उठाने में नाकाम रहने की भारी कीमत चुकानी पड़ी। मैच के बड़े हिस्से में हावी रहने और कई मौके बनाने के बावजूद भारतीय टीम को मौकों को भुनाने में नाकामी का खामियाजा भुगतना पड़ा और टीम पहली बार मेरिट के आधार पर इस बड़े टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने के बाद जल्दी बाहर हो गई। भारत के लिए एकमात्र गोल मनीषा कल्याण ने 39वें मिनट में किया। इस विंगर ने लगभग 30 यार्ड की दूरी से दमदार शॉट लगाकर गोल दागा। चीनी ताइपे ने 12वें मिनट में बढ़त बनाई जब वाईएच सु ने गोल दागा। भारतीय गोलकीपर एलांगबाम पंथोई चानू विरोधी खिलाड़ी जेडब्ल्यू चेन को रोकने के लिए आगे बढ़ीं। चेन ने हालांकि चानू को छकाते हुए गेंद सु को दी जिन्होंने इसे गोल में पहुंचा दिया। भारत ने मनीषा के गोल से स्कोर बराबर किया लेकिन मध्यांतर से ठीक पहले (45+नौवें मिनट) वाईवाई सू का शॉट पोस्ट के कोने से टकराया और फिर चानू टकराकर गोल में चला गया। यह तब हुआ जब प्यारी खाखा ने बॉक्स के अंदर गेंद को हाथ लगा दिया और रैफरी ने 'हैंडल्ड द बॉल' के लिए पेनल्टी किक दी। चीनी ताइपे के लिए 77वें मिनट में यू चिन चेन ने तीसरा गोल दाग। भारत इससे पहले वियतनाम और जापान से हार चुका था और टूर्नामेंट के अगले चरण में पहुंचने के लिए उसे चीनी ताइपे को कम से कम दो गोल से हराना था और वियतनाम पर जापान की जीत की उम्मीद करनी थी। जापान ने वियतनाम को 4-0 से हराया।

पाकिस्तान के कोच हेसन बोले, बांग्लादेश दौरे पर इस कारण युवाओं को दिये अधिक अवसर

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कोच कोच माइक हेसन ने कहा है अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्कप को देखते हुए युवा प्रतिभाओं को अवसर देने के लिए ही बांग्लादेश दौरे पर अधिक से अधिक युवाओं को शामिल किया गया है पर इसका मतलब ये नहीं निकाला जाना चाहिये कि अनुभवी खिलाड़ियों को बाहर कर दिया गया । हेसन के अनुसार बाबर आजम, साइम अयूब, नसीम शाह जैसे सीनियर खिलाड़ियों को इस दौरे से बाहर रखने को टी20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन से नहीं जोड़ा जाना चाहिये । वहीं मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जाने लगा था कि पाकिस्तान के विश्वकप में खराब प्रदर्शन की गाज अनुभवी खिलाड़ियों पर गिरी है । हेसन ने कहा कि पाक टीम को युवा प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें निखारने के बहुत कम अवसर मिले हैं, इसलिए हमें लगा कि बांग्लादेश दौरे में युवाओं को उतारना चाहिये । हेसन ने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि किसी को बाहर किया गया । हम केवल इस सीरीज में युवा खिलाड़ियों को अपने को साबित करने का अवसर दे रहे हैं ।

मौजूदा इंडियन वेल्स चैंपियन की शर्मनाक हरकत, हार के बाद तोड़ा रैकेट, दर्शकों पर भी चिल्लाई

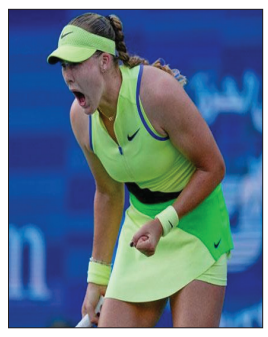

इंडियन वेल्स (कैलिफोर्निया) । मौजूदा चैंपियन मीरा एंड्रीवा ने बीएनपी परिबास इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के तीसरे दौर में हारने के बाद अपना रैकेट कई बार पटका और फिर दर्शकों पर चिल्लाती हुई कोर्ट से बाहर चली गई। एंड्रीवा गैर वरीयता प्राप्त कैटेरीना सिनियाकोवा से 4-6, 6-7(5), 6-3 से हार गई। मैच के दौरान भी उनका व्यवहार अच्छा नहीं रहा और हारने के बाद वह अपना आपा खो बैठी। दूसरे सेट का टाईब्रेकर हारने के बाद एंड्रीवा ने अपना रैकेट फेंक दिया और फिर उसे तोड़ दिया जो नियमों का उल्लंघन था। उन्होंने मैच प्वाइंट के बाद अपना रैकेट फिर से फेंक दिया। वह सिनियाकोवा से हाथ मिलाने के लिए नेट पर गई। इसके बाद एंड्रीवा दर्शकों की ओर इशारा करते और चिल्लाते हुए कोर्ट से बाहर चली गई। एंड्रीवा ने बाद में कहा, 'मैं अपने व्यवहार से वास्तव में खुश नहीं हूं। मैंने आखिर में जो कुछ किया उस पर मुझे गर्व नहीं है। यह ऐसी चीजें हैं जिन पर मुझे वास्तव में जल्द से जल्द काम करने की जरूरत है।'

लक्ष्य सेन थोड़े निराश, लेकिन अब ध्यान चोट से उबरने और बड़े टूर्नामेंटों पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में मिली शिकस्त से 'थोड़े निराश' भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने स्वीकार किया है कि आधुनिक पुरुष एकल मुकाबलों की बढ़ती शारीरिक मांगों के कारण उन्हें अपनी रिकवरी (चोट और थकान से उबरने की प्रक्रिया) और तैयारी की रणनीति पर फिर से विचार करना पड़ रहा है। लक्ष्य दूसरी बार ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचे थे।

उन्होंने बर्मिंघम में शारीरिक तौर पर थका देने वाले सप्ताह के दौरान कई कड़े और अधिक समय वाले मुकाबले खेले। उन्हें फाइनल में चीनी ताइपे के लिन चुन-यी से हार का सामना करना पड़ा। उत्तराखंड के अल्मोड़ा के इस 24 साल के खिलाड़ी ने कहा, 'कुल मिलाकर यह सप्ताह अच्छा लेकिन भावनात्मक रहा। दूसरी बार फाइनल में पहुंचकर भी खिताब नहीं जीत पाना मैच के बाद थोड़ा निराशाजनक लगता है। पूरे टूर्नामेंट को देखें तो कुछ अच्छी जीत मिलीं, अच्छा अभियान रहा और जिस तरह मैंने मैच खेले, उससे आने वाले टूर्नामेंटों के लिए उम्मीदें बनी हैं।'

लक्ष्य ने इस सप्ताह कोर्ट पर पांच घंटे से अधिक समय बिताया। इसमें एक बेहद कठिन सेमीफाइनल भी शामिल था। इस मुकाबले में उन्हें गंभीर ऐंठन से जूझना पड़ा। इसके बाद फाइनल में उन्हें करीबी हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि इस अनुभव ने यह समझ और मजबूत की है कि टूर्नामेंट कार्यक्रम, रिकवरी और व्यवस्थित प्रशिक्षण के बीच संतुलन बनाना कितना जरूरी है।

इस युवा खिलाड़ी ने कहा, 'मैच और टूर्नामेंट अब बहुत ज्यादा शारीरिक हो गए हैं और उम्र के साथ भी फर्क पड़ता है। मेरा मतलब है कि अब मैं 20 साल का नहीं रहा कि उतनी तेजी से रिकवर कर सकूं। मैं यह नहीं कह रहा कि मेरी उम्र काफी बढ़ गयी है, लेकिन तैयारी, अगले मैचों के लिए रिकवरी और खासकर डाइट (आहार) को लेकर बदलाव करने पड़ते हैं। जब मैं 21-22 साल का था तो जो भी खाता था, उससे वजन नहीं बढ़ता था। लेकिन अब थोड़ा फर्क है और डाइट के प्रति ज्यादा सतर्क रहना पड़ता है।'

लक्ष्य ने कहा कि व्यस्त कार्यक्रम के कारण 'वर्कलोड मैनेजमेंट (अभ्यास और टूर्नामेंट के चयन में सतर्कता)' भी बेहद अहम हो गया है। उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में मुझे कंधे की कुछ चोटें भी लगीं, जिसका असर पड़ा। पहले मैं आक्रामक शॉट बेहतर खेल रहा था, लेकिन समय के साथ यह समझ आता है कि आप कितना जोर लगा सकते हैं, कितने मैच खेल सकते हैं और कब शरीर को आराम की जरूरत है।'

इस सत्र में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप और BWF विश्व चैंपियनशिप को प्रमुख आयोजन बताते हुए लक्ष्य ने कहा कि अब वह अपनी टीम के साथ मिलकर ऑल इंग्लैंड अभियान का विश्लेषण करेंगे। उन्होंने कहा, 'ये दोनों इस साल के बड़े टूर्नामेंट हैं जिनमें मैं खेलूंगा। मैं अपनी टीम के साथ बैठकर विस्तार से विश्लेषण करूंगा कि ऑल इंग्लैंड टूर्नामेंट कैसा रहा और पिछले कुछ महीनों में अभ्यास कार्यक्रम कैसा रहा।' लक्ष्य ने कहा, 'इसके बाद कोर्ट पर खास तौर पर अपने खेल को और बेहतर बनाने की कोशिश करूंगा और पूरे सत्र में फिट रहने पर ध्यान दूंगा क्योंकि आगे कई बड़े

टूर्नामेंट हैं।'

लक्ष्य ने मानसिक प्रशिक्षक मोन ब्रोकमैन को भी श्रेय दिया, जिनकी मदद से उन्हें अंतरराष्ट्रीय सर्किट के दबाव को बेहतर तरीके से समझने और संभालने में मदद मिली है। उन्होंने कहा, 'करीब एक साल से मैं उनके साथ काम कर रहा हूं और मानसिक प्रशिक्षण के बारे में बहुत कुछ सीखा है। बड़े टूर्नामेंट में उतरने का नजरिया भी बदला है। बड़े टूर्नामेंट को अब अलग तरीके से देखता हूं, जबकि 500 या 300 स्तर के टूर्नामेंट अक्सर तैयारी का हिस्सा होते हैं।'

उन्होंने कहा कि वह अब हार को बहुत गंभीरता से नहीं लेते हैं और कोर्ट पर जमकर मेहनत करते हैं। लक्ष्य ने कहा, 'मोन, कोच और मेरे पिता सभी मेरा समर्थन करते हैं और मुझे बेहतर बनने में मदद करते हैं। उन्होंने इस प्रक्रिया को देखा है, जहां हर सप्ताह आप जीतते या हारते हैं। कई बार टूर्नामेंट के अंत में लगातार हार भी मिलती है, लेकिन उसे दिल पर नहीं लेना चाहिए और हर मैच से सीखते रहना चाहिए।'

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में तूफान से 12 साल के बच्चे समेत 6 लोगों की मौत, कई घायल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में रविवार को तूफान और बवंडर की वजह से 12 साल के बच्चे समेत 6 लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। सबसे ज्यादा नुकसान अमेरिका के मिशिगन और ओक्लाहोमा में हुआ। अधिकारियों के मुताबिक, दक्षिणी मिशिगन में चार लोगों की मौत हुई। वहीं ओक्लाहोमा में दो लोगों की जान गई। इसके अलावा 12 लोगों के घायल होने की भी खबर है। अधिकारियों ने बताया कि कई घरों और इमारतों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। मिशिगन की गवर्नर ग्रेचेन विटमर ने इमरजेंसी घोषित कर दी है और कहा है कि प्रभावित लोगों की मदद के लिए रिसोर्स जुटाए जा रहे हैं। वहीं ओक्लाहोमा के गवर्नर केविन स्टीट्ट ने भी कई जिलों में इमरजेंसी घोषित कर दी है ताकि प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्य तेजी से किए जा सकें। नेशनल वेदर सर्विस ने चेतावनी दी है कि ग्रेट प्लेन्स से लेकर टेक्सास तक वीकेंड तक भारी तूफान, आंधी और अचानक बाढ़ का खतरा बना रह सकता है।

पाकिस्तान में सुरक्षा बलों की आतंकियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, मुठभेड़ में करीब 20 आतंकी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने आतंकियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अलग-अलग मुठभेड़ में करीब 20 आतंकियों को ढेर कर दिया है। खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षा बलों ने पांच अलग-अलग खुफिया अभियानों में 13 आतंकवादियों को मार गिराया है। सेना की मीडिया विंग आईएसपीआर ने रविवार को बताया कि ये अभियान 6 और 7 मार्च को चलाए गए थे। सबसे बड़ी कार्रवाई बाजौर जिले में हुई, जहां भीषण गोलाबारी के बाद पांच आतंकियों को ढेर कर दिया गया। इसके अलावा बन्नू, डेरा इस्माइल खान, खैबर और दक्षिण वजीरिस्तान जिलों में हुई मुठभेड़ों में आठ अन्य आतंकी मारे गए। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने रविवार रात पंजाब प्रांत में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के चार आतंकवादियों को मार गिराया। पंजाब पुलिस के काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) के अनुसार, पंजाब का डेरा गाजी खान जिला एक बड़े आतंकवादी हमले से बाल-बाल बच गया, क्योंकि 'फितना अल-खवारिज' (टीटीपी) के चार आतंकवादी सीमावर्ती गांव जोतार के पास सीटीडी के साथ गोलीबारी में मारे गए। सीटीडी ने कहा, 'इलाके में लगभग 15 आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद एक खुफिया ऑपरेशन चलाया, जिन्होंने डीजी खान में पुलिस चेकपॉइंट और अन्य सरकारी ठिकानों पर हमला करने की योजना को अंतिम रूप दिया था। जैसे ही काउंटर टेररिज्म टीम उस जगह पर पहुंची, आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। सीटीडी के कर्मियों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप चार आतंकवादी मारे गए। 11 अन्य आतंकवादी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब रहे। आतंकवादियों के पास से राइफल, गोला-बारूद और विस्फोटक सामान समेत हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए।

ईरान का दावा- ट्रम्प को युद्ध के लिए उकसाया गया: इरानी विदेश मंत्री

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने आरोप लगाया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को ईरान के खिलाफ युद्ध के लिए उकसाया गया। उनका दावा है कि अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मिलकर साजिश की। अराघची के मुताबिक ग्राहम हाल के हफ्तों में कई बार इजराइल गए और वहां की खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों से मुलाकात की। इन बैठकों में ईरान से जुड़े मामलों पर चर्चा हुई। अराघची का कहना है कि ग्राहम ने कहा था कि उन्हें इजराइल से ऐसी खुफिया जानकारी मिलती है जो कभी-कभी अमेरिकी सरकार भी शेयर नहीं करती। इसी जानकारी के आधार पर ट्रम्प को ईरान के खिलाफ कार्रवाई के लिए राजी किया गया। अराघची ने यह भी आरोप लगाया कि ग्राहम ने इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू को सलाह दी कि वे ट्रम्प को ईरान के खिलाफ सैन्य कदम उठाने के लिए कैसे मना सकते हैं। अराघची ने कहा कि किसी भी देश में ऐसा करना देशद्रोह जैसा माना जाएगा। सऊदी अरब के अल-खार्ज इलाके में रिहायशी परिसर पर मिसाइल गिरने से एक भारतीय और एक बांग्लादेशी नागरिक की मौत हो गई। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक हमले में 12 अन्य बांग्लादेशी घायल हुए हैं। सऊदी सिविल डिफेंस एजेंसी के मुताबिक आवासीय परिसर पर मिसाइल गिरने से इससे इमारत को नुकसान पहुंचा और आसपास अफरा-तफरी मच गई। इससे पहले ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कहा था कि उसने अल-खार्ज समेत कई स्थानों पर रडार सिस्टम को निशाना बनाया है। मिसाइल गिरने की घटना इसी इलाके में सामने आई है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव को देखते हुए भारत सरकार पहले ही सऊदी अरब में रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर चुकी है और उन्हें सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

खामेनेई के बेटे मोजतबा बने ईरान के सुप्रीम लीडर

आते ही ऐक्शन में, पहली मिसाइल इजरायल पर दाग दी

तेहारान , एजेंसी। अमेरिका और इजरायल के खिलाफ छिड़ी भीषण जंग के बीच ईरान ने अपना सर्वोच्च नेता चुन लिया है। अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत के बाद अब उनके बेटे मोजतबा खामेनेई यह जिम्मेदारी संभालेंगे। सोमवार को ईरान की तरफ से यह ऐलान होते ही पूरी दुनिया में कोहराम मच गया है। अब इस बात को लेकर चर्चाएं तेज हैं कि आखिर इस युद्ध को लेकर मोजतबा का रुख क्या होगा और वह अमेरिका और इजरायल के साथ-साथ देश के लोगों में उठे असंतोष की भावना का जवाब कैसे देंगे। इससे पहले ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की रमजान के महीने में मौत होने के बाद देश की सत्ता की बागडोर को लेकर चर्चाएं तेज हो गई थीं। खामेनेई के उत्तराधिकारी के रूप में सबसे प्रमुख नाम उनके बेटे मोजतबा खामेनेई का ही था, जिन्हें लंबे समय से ईरान की सत्ता व्यवस्था के भीतर प्रभावशाली व्यक्ति माना जाता है।

ईरान ने नए सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई की नियुक्ति के बाद पहला हमला इजरायल पर किया। आईआरआईबी ने लिखा, 'ईरान ने अयातुल्ला सैयद मोजतबा खामनेई की अगुवाई में मिसाइलों की पहली लहर कब्जे वाले इलाकों में छोड़ी हैं।' साथ ही मिसाइल अटैक की तस्वीर भी पोस्ट की गई है।

कौन हैं मोजतबा खामेनेई? : मोजतबा खामेनेई को अपेक्षाकृत मध्य-स्तरीय धर्मगुरु माना जाता है और उन्हें 2022 में ही अयातुल्ला की उपाधि दी गई थी, जो सर्वोच्च नेता बनने के लिए आवश्यक मानी जाती है। इसीलिए कई विश्लेषकों ने इसे उन्हें अली खामेनेई के उत्तराधिकारी के रूप में तैयार किए जाने का संकेत माना था। मोजतबा ने अपने अधिकतर राजनीतिक जीवन में कोई औपचारिक सरकारी पद नहीं संभाला, लेकिन वह सर्वोच्च नेता के कार्यालय के भीतर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। उन्हें अक्सर सत्ता के गलियारों में प्रभावशाली 'पावर ब्रोकर' और 'गेटकीपर' के रूप में देखा जाता रहा है।

बताया जाता है कि 17 वर्ष की उम्र में उन्होंने ईरान-इराक युद्ध में संक्षिप्त रूप से हिस्सा लिया था। हालांकि उन्हें व्यापक सार्वजनिक पहचान 1990 के दशक के आखिर में मिली, जब उनके पिता अली खामेनेई की सर्वोच्च नेता के रूप में स्थिति मजबूत हो चुकी थी। 2019 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने मोजतबा खामेनेई पर प्रतिबंध लगाए थे और आरोप लगाया था कि वे बिना किसी औपचारिक सरकारी पद के भी सर्वोच्च नेता की ओर से प्रभावी भूमिका निभा रहे थे।

आईआरजीसी से करीबी : समय के साथ उनकी पहचान दो प्रमुख पहलुओं से जुड़ी रही है। पहला, ईरान की सुरक्षा व्यवस्था, विशेष रूप से इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) और उससे जुड़े कट्टरपंथी नेटवर्क के साथ उनके करीबी संबंध। दूसरा, सुधारवादी राजनीति और पश्चिमी देशों के साथ करीबी संबंधों के प्रति उनका कड़ा विरोध। आलोचक उन्हें 2009 के विवादित राष्ट्रपति चुनाव के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों के दमन से भी जोड़ते हैं। माना जाता है कि उन्होंने ईरान के सरकारी प्रसारण संगठन पर भी गहरा प्रभाव बनाए रखा, जिससे उन्हें देश के सूचना तंत्र और सरकारी विमर्श के एक हिस्से पर अप्रत्यक्ष नियंत्रण मिला।

कैसे होगी ईरान की नीति? : विशेषज्ञों का मानना है कि मोजतबा खामेनेई के सर्वोच्च नेता बनने पर ईरान की नीतियों में बड़े बदलाव की संभावना कम है। माना जाता है कि उनके नेतृत्व में देश की राजनीति में सुरक्षा संस्थानों, खासकर आईआरजीसी का प्रभाव और मजबूत हो सकता है। विश्लेषकों के अनुसार घरेलू स्तर पर विरोध प्रदर्शनों के प्रति सख्त रुख अपनाया जा सकता है, जबकि विदेश नीति में पश्चिमी देशों के साथ बातचीत मुख्य रूप से रणनीतिक जरूरतों के आधार पर ही की जा सकती है। कुल मिलाकर, उनके नेतृत्व में ईरान की नीति रणनीतिक रूप से व्यावहारिक रह सकती है। खामेनेई की नियुक्ति इस बात का भी इशारा है कि ईरान किसी भी हाल में अमेरिकी मांगों के आगे नहीं झुकेगा और वह अपने पिता के सख्त रवैये को जारी रखेंगे, यानी इस्लाम और अमेरिका विरोधी विदेश नीति को सबसे ऊपर रखना। वहीं 28 फरवरी के हमलों में अपने पिता, मां और पत्नी को खोने वाले मोजतबा बदला लेने की कोशिशें भी कर सकते हैं। युद्ध फिलहाल जारी रहेगा।

इजरायल ने दी थी धमकी : खबरें हैं कि कुछ समय पहले ही इजरायल की सेना ने चेतावनी दी है कि वह ईरान के मारे गए सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के हर संभावित उत्तराधिकारी का पीछा करेगी। इजरायली सेना ने एक्स पर फारसी भाषा में पोस्ट कर कहा कि जो भी व्यक्ति खामेनेई का उत्तराधिकारी बनने की कोशिश करेगा या नए सुप्रीम लीडर की नियुक्ति की प्रक्रिया में शामिल होगा। उसे भी निशाना बनाया जाएगा। यह चेतावनी ऐसे समय आई थी, जब ईरान की धार्मिक संस्था एसेंबली एक्सपर्ट देश के अगले सर्वोच्च नेता के चयन के लिए बैठक करने जा रही थी।

अमेरिका बना रहा नया यूरेनियम प्लान : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कथित तौर पर ईरान के यूरेनियम को कब्जे में लेने के लिए विशेष सैन्य अभियान (स्पेशल ऑपरेशन) के विकल्प पर विचार कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस योजना के बारे में तीन राजनयिक अधिकारियों को जानकारी दी गई है।

अब किम जोंग से भिड़ रहे हैं डोनाल्ड ट्रंप

दक्षिण कोरिया के साथ मिलकर बड़ा सैन्य अभ्यास शुरू किया

सियोल, एजेंसी। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच बीते 10 दिनों से जारी भीषण युद्ध का कोई अंत फिलहाल नजर नहीं आ रहा है। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक सैंकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है और जंग का दायरा बढ़ता ही जा रहा है। इस बीच अब अमेरिका ने कुछ ऐसा कर दिया है जिससे उत्तर कोरिया का भड़कना तय है। दरअसल अमेरिका ने सोमवार को दक्षिण कोरिया के साथ मिलकर एक बड़ा सैन्य अभ्यास शुरू किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस अभ्यास में हजारों सैनिक हिस्सा ले रहे हैं, जिससे उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन का पारा चढ़ सकता है।

दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ' ने जानकारी देते हुए बताया कि लगभग 18,000 कोरियाई सैनिक इस 'फ्रीडम शील्ड' अभ्यास में हिस्सा लेंगे, जो 19 मार्च तक चलेगा। हालांकि अमेरिकी सेना ने दक्षिण कोरिया में इस अभ्यास में शामिल अपने सैनिकों की संख्या नहीं बताई है इन दोनों सहयोगी देशों का यह संयुक्त अभ्यास ऐसे समय में हो रहा है जब दक्षिण कोरियाई मीडिया में अटकलें लगाई जा रही हैं कि अमेरिका कुछ सैन्य संसाधनों को दक्षिण कोरिया से हटा कर ईरान के खिलाफ लड़ाई में ले जा रहा है।

पैट्रियट मिसाइल सिस्टम पश्चिम एशिया भेजे जाने की खबरें

इससे पहले 'यूएस फोर्सेज कोरिया' ने पिछले सप्ताह कहा था कि सुरक्षा कारणों से वह सैन्य संसाधनों की विशिष्ट गतिविधियों पर टिप्पणी नहीं करेगी। वहीं दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने भी इस खबर पर टिप्पणी करने से इनकार किया कि कुछ अमेरिकी पैट्रियट मिसाइल सिस्टम और अन्य उपकरण पश्चिम एशिया भेजे जा रहे हैं। उन्होंने कहा था कि इससे सहयोगी देशों की संयुक्त रक्षा रणनीति पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा।'फ्रीडम शील्ड' अभ्यास को लेकर उत्तर कोरिया की ओर से तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल सकती है। उत्तर कोरिया लंबे समय से सहयोगी देशों के संयुक्त अभ्यासों को आक्रमण का पूर्वाभ्यास बताता रहा है और इसे अपने सैन्य प्रदर्शनों और हथियार परीक्षणों को बढ़ाने का बहाना बनाता रहा है। अमेरिका एवं दक्षिण कोरिया का कहना है कि ये अभ्यास रक्षा उद्देश्य के लिए होते हैं।

सऊदी में ईरान के हमले में भारतीय नागरिक की मौत?

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब के अल-खर्ज शहर में रविवार को प्रोजेक्टाइल गिरने की घटना के बाद भारतीय दूतावास ने सोमवार को स्पष्ट किया कि इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में कोई भारतीय नागरिक मारा नहीं गया। दूतावास ने कहा कि वह संबंधित सऊदी अधिकारियों के संपर्क में है और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए लगातार स्थिति पर नजर रख रहा है।

भारतीय मिशन के अनुसार, काउंसलर (ष्टड्ढ) श्री वाई. साबिर ने रविवार की रात अल-खर्ज का दौरा किया और घटना में घायल हुए भारतीय नागरिक से मुलाकात की। वह वर्तमान में अल-खर्ज के सरकारी अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा 'कल शाम अल-खर्ज में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना में किसी भारतीय नागरिक की मौत नहीं हुई, यह राहत की बात है।' घटना के तुरंत बाद, सऊदी सिविल डिफेंस अधिकारियों ने बयान में कहा था कि प्रोजेक्टाइल हमले में एक भारतीय और एक बांग्लादेशी नागरिक की मौत हुई। इसके अलावा 12 बांग्लादेशी निवासी घायल हुए और संपत्ति को भी नुकसान हुआ। सऊदी अधिकारियों ने यह भी कहा कि नागरिक सुविधाओं को निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। दूतावास ने अपने नागरिकों से सतर्क रहने और स्थानीय सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा सऊदी अरब में स्थित सभी भारतीय नागरिक सतर्क रहें, सुरक्षा निर्देशों का पालन करें और स्थानीय प्रशासन तथा दूतावास द्वारा जारी सलाहों का पालन करें।

गौरतलब है कि रविवार को ईरान की ओर से सऊदी अरब की तरफ दागी गई मिसाइल को सऊदी एयर डिफेंस सिस्टम ने हवा में ही इंटरसेप्ट कर लिया। हालांकि, मिसाइल का धधकता मलबा सीधे अल-खर्ज शहर में एक बिल्डिंग पर गिर गया। घटना के तुरंत बाद आसपास की दीवारें हिल गईं और वहां मौजूद लोगों में चीख-पुकार मच गई। हादसे में कई लोग घायल हुए और कुछ की जान भी चली गई। घायलों में एक भारतीय नागरिक भी शामिल हैं, जिन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। अल-खर्ज का पूरा इलाका इस हादसे के बाद दहशत में है और स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा बढ़ा दी है।

अमेरिकी संसद में एच-1बी प्रतिबंधों को खत्म करने के लिए विधेयक पेश, ट्रंप के फैसले पर सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एच-1बी वीजा से संबंधित लागू किए गए कड़े प्रतिबंधों को चुनौती देते हुए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में एक नया विधेयक पेश किया गया है। डेमोक्रेटिक सांसद बोनी वॉटसन कोलमैन ने यह विधेयक पेश कर राष्ट्रपति ट्रंप के उस फैसले को निरस्त करने की मांग की है, जिसमें एच-1बी वीजा पर काम करने वाले कर्मचारियों को नियुक्त करने वाले नियोक्ताओं पर सख्त वेतन शर्तें और भारी शुल्क लगाए गए थे।

राष्ट्रपति ट्रंप ने सितंबर 2025 में एक ऐसे फैसले की घोषणा की थी, जिसके तहत एच-1बी वीजा कर्मचारियों के लिए अनिवार्य वेतन स्तर को काफी बढ़ा दिया गया और ऐसे कर्मचारियों को रखने वाले नियोक्ताओं पर एक लाख डॉलर का शुल्क भी लगाया गया। इस फैसले

का उद्देश्य कथित तौर पर अमेरिकी श्रमिकों के हितों की रक्षा करना था।

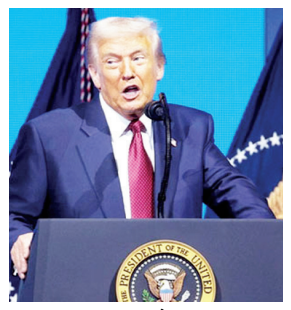

हालांकि, डेमोक्रेटिक सांसद कोलमैन का मानना है कि यह 'अल्पदृष्टि वाली घोषणा' अमेरिकी नियोक्ताओं, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों और शोध संस्थानों के लिए बड़ी बाधाएं खड़ी कर रही है। ये संस्थान उच्च कौशल वाले पेशेवरों पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं। कोलमैन ने जोर देकर कहा कि एच-1बी वीजा प्रोग्राम कभी भी घरेलू वर्कफोर्स का विकल्प नहीं रहा है, बल्कि यह अमेरिकी और वैश्विक प्रतिभा के बीच एक सेतु का काम करता है, जो देश की आर्थिक वृद्धि को गति प्रदान करता है।

एच-1बी वीजा प्रोग्राम अमेरिकी नियोक्ताओं को उन विशेष क्षेत्रों में विदेशी पेशेवरों को नियुक्त करने की अनुमति देता है, जहाँ कुशल श्रमिकों की कमी होती है। विशेष रूप से टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, हेल्थकेयर और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में इस कार्यक्रम की महत्ता सर्वविदित है।

कोलमैन के विधेयक को कई लोगों का समर्थन मिला है। समर्थकों का कहना है कि अधिक वेतन सीमा और महंगे शुल्क के कारण कार्यक्रम को कड़ा बनाने से उन संस्थानों के लिए आवश्यक प्रतिभा को आकर्षित करना मुश्किल हो गया है, जो नवाचार (इनोवेशन) और महत्वपूर्ण सेवाओं को बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

वॉटसन कोलमैन ने इस बात पर विशेष चिंता व्यक्त की है कि ये पाबंदियां ऐसे समय में लागू की गई हैं जब अमेरिका का स्वास्थ्य क्षेत्र पहले से ही भारी दबाव का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा, 'उम्रदराज कार्यबल, कोविड-19 का प्रभाव, एच-1बी वीजा पर प्रतिबंध और ट्रंप प्रशासन द्वारा नर्सिंग डिग्री के लिए संघीय छात्र ऋण पर हालिया सीमाओं के कारण आने वाले वर्षों में नर्सों की कमी का एक गंभीर संकट पैदा हो सकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि 'वेलकमिंग इंटरनेशनल सक्सेस एक्ट' नामक यह विधेयक, योग्य स्वास्थ्य पेशेवरों की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद करेगा और इस बोझ को कम करेगा। इस विधेयक को कई डेमोक्रेटिक सांसदों का समर्थन प्राप्त हुआ है।

अमेरिकी पॉप स्टार रिहाना के घर पर 10 राउंड फायरिंग

वाशिंगटन, एजेंसी। पॉपुलर सिंगर रिहाना ने अपने म्यूजिक से दुनिया भर में एक अलग पहचान बनाई है, जिसके चलते हर देश में उनके हजारों फैंस मौजूद हैं. लेकिन आज इस पॉप-स्टार को लेकर एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है, सिंगर के कैलिफोर्निया के बेवर्ली हिल्स में मौजूद घर के बाहर फायरिंग हुई है. खबरों के मुताबिक इस घटना को एक 30 साल की महिला शूटर ने अंजाम दिया है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. एक महिला ने रिहाना के घर की ओर 10 राउंड गोलियां चलाईं। एक गोली घर की दीवार पर लगी है। रॉयटर्स के मुताबिक हमले के वक्त रिहाना घर पर मौजूद थीं, लेकिन इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

अमेरिकी पॉप स्टार रिहाना के घर के बाहर फायरिंग की घटना हुई है। यह घटना लॉस एंजिलिस के ब्रेबरी हिल्स में हुई। हमले की जानकारी मिलते ही लास एंजिलिस पुलिस मौके पर पहुंची और 30 साल की एक महिला को हिरासत में लिया। कैलिफोर्निया के बेवर्ली हिल्स में मौजूद पॉपुलर पॉप-स्टार रिहाना के घर के बाहर फायरिंग हुई है, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई. वहीं पुलिस ने सिंगर के घर की तरफ बार-बार गोली चलाने वाली महिला शूटर को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है.

रिहाना के घर के बाहर हुई इस घटना को लेकर लॉस एंजिल्स पुलिस डिपार्टमेंट ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार, 8 मार्च को सिंगर के घर के पास करीब दोपहर 1:21 पर गोलीबारी की घटना हुई. इस दौरान 5 से 7 गोलियां चलाई गईं, जो उनके घर के गेट पर लगीं. लेकिन इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है. पॉप-स्टार रिहाना के घर के बाहर हुई इस घटना को लेकर पुलिस ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, जिसमें इस हादसे के पीछे की वजह को बताया गया हो. साथ में, अभी ये भी स्पष्ट नहीं हुआ है कि उस समय सिंगर के पति एएसएपी रॉकी और उनके बच्चे आरजेडए, रायट रोज और रोज घर पर मौजूद थे या नहीं. पुलिस अधिकारी फिलहाल गोलीबारी के पीछे के मकसद की जांच में जुटे हुए हैं.

अमेरिकी पॉप स्टार रिहाना के घर के बाहर फायरिंग की घटना हुई है। यह घटना लॉस एंजिलिस के ब्रेबरी हिल्स में हुई। जहां एक महिला ने रिहाना के घर की ओर 10 राउंड गोलियां चलाईं। एक गोली घर की दीवार पर लगी है।

हमले की जानकारी मिलते ही लास एंजिलिस पुलिस मौके पर पहुंची और 30 साल की एक महिला को हिरासत में लिया।

स्कूल स्ट्राइक का संबंध ईरान में आईआरजीसी ठिकाने पर हुए अमेरिकी हमले से

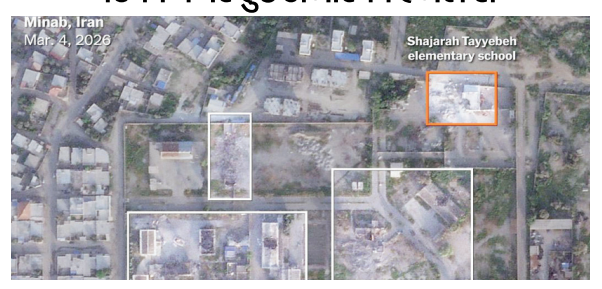

वाशिंगटन, एजेंसी। इईरान के मिनाब शहर में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के नौसैनिक अड्डे पर हुए हमले से जुड़ा एक नया वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में एक इमारत को निशाना बनाकर किए गए अमेरिकी हवाई हमले को दिखाया गया है। यह अड्डा एक प्राथमिक विद्यालय के पास स्थित है। ईरान के सरकारी मीडिया के अनुसार 28 फरवरी को हुए हमले में उस स्कूल के 160 से अधिक विद्यार्थियों की मौत हो गई थी।

सेमी-ऑफिशियल ईरानी न्यूज एजेंसी मेहर न्यूज की ओर से साझा किया गया यह वीडियो पहली बार उस इलाके में मिसाइल गिरते हुए दिखाता है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने सीएनएन की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि यह उन बढ़ते सबूतों में से एक है जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर इल्ज़ाम लगाने के हालिया दावों को गलत साबित करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार यह वीडियो पास के एक निर्माण स्थल से बनाया गया है। इसमें एक ऐसी मिसाइल दिखाई देती है, जो अमेरिका की टॉमहॉक लैंड अटैक मिसाइल (टीएलएएम) जैसी लगती है। यह मिसाइल आईआरजीसी के अड्डे के अंदर एक स्थान पर जाकर गिरती दिखाई देती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इजराइल टॉमहॉक मिसाइल का इस्तेमाल नहीं करता।

जेम्स मार्टिन सेंटर फॉर नॉनप्रोलिफरेशन स्टडीज़ के शोध सहयोगी सैम लेयर ने सीएनएन से कहा कि वीडियो में दिख रही मिसाइल टॉमहॉक मिसाइल की विशेषताओं से मेल खाती है। लेयर के अनुसार, सबसे पहले यह मिसाइल देखने में टीएलएएम जैसी लगती है। इसका आकार क्रॉस की तरह होता है, जिसमें बीच में पंख लगे होते हैं और पीछे की तरफ टेल किट होता है।

लेयर ने यह भी कहा कि वीडियो की लोकेशन से पता चलता है कि एक क्रूज मिसाइल अड्डे के बीच में स्थित इमारतों में से एक पर गिरती है। हालांकि वीडियो में स्कूल पर सीधे हमला होते हुए नहीं दिखता, लेकिन संभावना है कि स्कूल पर हुआ हमला भी उसी कार्रवाई का हिस्सा था।

सीएनएन ने जिन अन्य हथियार विशेषज्ञों से बात की, उन्होंने भी इस आकलन से सहमति जताई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को मिनाब के स्कूल पर हुए हमले के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया था, जबकि सीएनएन और कई अन्य मीडिया संस्थानों के विश्लेषण इससे अलग संकेत देते हैं। वहीं ईरान के सरकारी मीडिया के अनुसार मिनाब के स्कूल पर हुए हमले के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया गया है।

ईरान जंग: 1700 से ज्यादा मौतें: तेहरान में काली बारिश, सड़कों पर लेबनान में लोग

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज दसवां दिन है। इस जंग में अब तक 1700 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं, जबकि हजारों घायल हैं। लोग अपना घर छोड़कर सुरक्षित जगह पर शरण लेने को मजबूर हैं। ईरान और इजराइल लगातार एक दूसरे के सैन्य ठिकानों के साथ-साथ सिविलियन इलाकों को भी निशाना बना रहे हैं। इस वजह से आम लोगों को जान माल का भारी नुकसान हो रहा है। वहीं, दूसरी तरफ इजराइल, लेबनान में भी ईरान समर्थक ग्रुप हिजबुल्लाह के खिलाफ हमले कर रहा है।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहा ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब दसवें दिन में प्रवेश कर चुका है। पूरा क्षेत्र तनाव की चपेट में है। ऐसे में

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का युद्ध को लेकर सख्त रवैया और खाड़ी देशों में बढ़ता संघर्ष, वैश्विक राजनीति के लिया बड़ा संकट साबित होता दिख रहा है। भारत ने कहा है कि तेजी से बदलती परिस्थितियों पर सरकार की पैनी नजर है।

सऊदी अरब ने शैबाह तेल क्षेत्र की ओर बढ़ रहे ड्रोन को किया नष्ट : सऊदी अरब की रक्षा मंत्रालय ने बताया कि शैबाह तेल क्षेत्र की ओर बढ़ रहा एक ड्रोन रोककर नष्ट कर दिया गया। इससे तेल क्षेत्र को कोई नुकसान नहीं हुआ। मंत्रालय ने कहा कि सुरक्षा बल सतर्क हैं और किसी भी खतरे को तुरंत निपटाने के लिए तैयार हैं।

कतर, बहरीन, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात पर बड़े हमले : कतर पर ईरानी मिसाइल हमला हुआ। राजधानी दोहा में मिसाइलें इंटरसेप्ट की गईं, तेज धमाके और धुएं देखे गए। बहरीन के सित्रा इलाके में ड्रोन हमले में 32 लोग घायल। सऊदी अरब के शैबाह तेल क्षेत्र पर ड्रोन हमले को रोका गया, साथ ही रियाद के उत्तर में दो ड्रोन और राजनयिक क्षेत्र की ओर एक प्रोजेक्टाइल गिराया गया।

कतर में 313 लोग गुमराह करने वाली जानकारी फैलाने के आरोप में गिरफ्तार : कतर की इंटीरियर मिनिस्ट्री ने 313 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उन्होंने भ्रामक जानकारी शूट, फैलायी और प्रकाशित की। गिरफ्तार लोग विभिन्न राष्ट्रीयताओं के हैं।

बहरीन के सबसे बड़े रिफाइनरी पर ईरान का हमला : बहरीन के सबसे बड़े तेल रिफाइनरी बीएपीसीओ पर ईरान ने मिसाइल से बड़ा हमला किया। हमले के बाद रिफाइनरी पर नुकसान हुआ है, लेकिन अभी तक किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है।

इस्राइल ने बेरूत पर फिर किया हमला : अल जजीरा अरबी की रिपोर्ट के अनुसार, इस्राइल की सेनाओं ने लेबनान की राजधानी बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर दूसरा हमला किया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि हमले की जानकारी जैसे ही और मिलेगी, अपडेट दी जाएगी। यह हमला पिछले कुछ घंटों में इज़राइल द्वारा बेरूत पर किए गए लगातार हमलों का हिस्सा माना जा रहा है।

लेबनान में इस्राइली हमले में 3 की मौत, 15 घायल : लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि दक्षिणी टायार देब्बा पर इस्राइल के हमले में कम से कम तीन लोग मारे गए और 15 अन्य घायल हुए। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब स्वास्थ्य अधिकारियों ने पास के शहर जॉया पर इस्राइल के हवाई हमले में भी कम से कम तीन लोगों की मौत और 16 घायल होने की रिपोर्ट दी थी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पंजाब में बीजेपी के नेता अमित गोसाईं अकाली दल में शामिल

लुधियाना (एजेंसी)। मंगलवार को पंजाब की राजनीति में एक बड़ा उलटफेर हुआ, जब भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित गोसाईं ने इस्तीफा दे दिया और कुछ समय बाद अपने समर्थकों के साथ शिरोमणि अकाली दल में शामिल हुए। अकाली दल प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने खुद उन्हें पार्टी में शामिल करवाया और साथ ही लुधियाना सेंट्रल से हलका इंचार्ज भी नियुक्त किया। बता दें कि गोसाईं पंजाब के पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय सतपाल गोसाईं के पोते हैं। बादल ने अमित गोसाईं का शिरोमणि अकाली दल के परिवार में स्वागत कर कहा कि अमित अपने दादा सतपाल गोसाईं के काम में उनका साथ देते रहे हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के स्पोक्सपर्सन पद से भी इस्तीफा दे दिया है। सुखबीर ने भरोसा जताया कि अमित गोसाईं के आने से शिरोमणि अकाली दल और मजबूत होगा। अकाली दल प्रमुख बादल ने गोसाईं को लुधियाना सेंट्रल से हलका इंचार्ज बनाया और कहा कि अकाली दल में उनके साथ शामिल हुए है उनका भी पूरा सम्मान और अहम जिम्मेदारियां दी जाएगी। इसके पहले सतपाल गोसाईं ने सोशल मीडिया पर कहा था कि वह आज दुखी मन से भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक मेंबरशिप से इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने कहा था कि उनसे पार्टी की दुर्दशा देखी नहीं जा रही है, इसलिए वह इस्तीफा दे रहे हैं।

गुमला में हाथी के कहर से मासूम की मौत

गुमला (एजेंसी)। झारखंड के गुमला जिला के पतराटोली गांव में देर रात जंगली हाथी के अचानक घर में प्रवेश से एक चार माह की बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। घटना चंदन उरांव के घर में हुई। बताया गया है कि हाथी ने घर के पास दीवार को जोरदार धक्का दिया, जिससे कच्ची दीवार भरभराकर गिर गई। तब घर में चंदन की पत्नी सुषमा उरांव अपने दो बच्चों के साथ सो रही थी। दीवार गिरने की आवाज सुनकर सुषमा ने अपने पांच वर्षीय बेटे को लेकर भागने में सफल रहीं, लेकिन हड़बड़ी में चार माह की बेटी अमिता कुमारी मलबे में दब गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सुषमा को भी चोटें आईं, जिन्हें ग्रामीणों ने प्राथमिक उपचार दिया। मां अपने बच्चे को खोने के सदमे में बार-बार बेहोश हो रही थीं, और गांव की महिलाएं उन्हें ढांढस बंधाती रहीं। घटना की सूचना मिलने पर करंज थाना पुलिस और बसिया वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। ग्रामीणों में जंगली हाथी के प्रवेश से भय और दहशत का माहौल है; लोग रातभर जागकर पहरा दे रहे हैं। प्रभावित परिवार ने वन विभाग से हाथी को खदेड़ने और मुआवजा देने की मांग की है। प्रशासन से भी परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की अपील की जा रही है। इस दुखद घटना ने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया है और यह जंगली हाथियों और मानव बस्तियों के बीच लगातार बढ़ते संघर्ष की चिंता को उजागर करती है।

नॉर्थ ईस्ट के लोगों के साथ मारपीट, सीएम संगना ने दिल्ली पुलिस सुरक्षा पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में एक बार फिर नॉर्थ ईस्ट के लोगों के मारपीट और दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। 8 मार्च को साकेत नगर के डिस्ट्रिक्ट कोर्ट कॉम्प्लेक्स के पास मणिपुर की रहने वाली युवती और उसके दोस्तों से मारपीट की घटना हुई। पुलिस के मुताबिक सभी पीड़ित पार्क में टहल रहे थे, तभी कुछ लोगों ने उन पर कमेंट किए। युवती और उसके दोस्तों ने इसका विरोध किया। इस पर उन लोगों ने युवती और उसके साथियों पर हमला कर दिया। हमले में युवती घायल हो गई। इस घटना से नाराज मेघालय के सीएम कॉनराड संगमा ने एक्स पर पोस्ट के जरिए दिल्ली पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाया है। उन्होंने नाराजगी जताते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। सीएम संगना की पोस्ट पर दिल्ली पुलिस ने घटना की निंदा करते हुए लिखा- आरोपियों की पहचान की जा रही है, उन्हें पकड़ने के लिए कई टीमों को तैनात की हैं। मेघालय सीएम संगना ने लिखा कि यह नस्लीय तौर पर डराने-धमकाने वाली घटना है। मुझे मेनलैंड इंडिया में नॉर्थ ईस्ट के लोगों पर बार-बार हो रहे हमलों से नाराजगी है। इसके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

अरुणाचल के जंगलों में लगी भीषण आग पर काबू पाने वायुसेना ने संभाला मोर्चा

-शक्तिशाली हेलिकॉप्टर एमआई-17 वी5 से 66,000 लीटर पानी बरसाया

ईटानगर (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट स्थित मेबो और सिगर के जंगलों में लगी भीषण आग को बुझाने के लिए अब भारतीय वायुसेना ने मोर्चा संभाल लिया है। मंगलवार को वायुसेना ने एक अभियान चलाते हुए अपने शक्तिशाली हेलिकॉप्टर को तैनात किया, जिसने कई उड़ानों के जरिए रिहायशी इलाकों की ओर बढ़ती आग की लपटों पर काबू पाया। इंडियन एयरफोर्स ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश में पासीघाट के मेबो और सिगार इलाकों में जंगल में लगी भीषण आग को बुझाने के लिए एक तेज़ और दमदार फायरफाइटिंग मिशन शुरू किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आग पर काबू पाने के लिए एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर तैनात किया गया है, जिसने आस-पास की बस्तियों को बचाने के लिए कई सॉर्टीज़ में 66,000 लीटर पानी छोड़ा। एक्स पर पोस्ट में आईएएफ ने आग और हवाई फायरफाइटिंग मिशन की शानदार तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। पोस्ट में लिखा- अरुणाचल प्रदेश में तेज़ रिस्पॉन्स और ऑपरेशनल सटीकता दिखाई, पासीघाट के मेबो और सिगार इलाकों में जंगल की बड़ी आग पर काबू पाने के लिए एक एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर तैनात किया है। यह पहली बार नहीं है जब आईएएफ ने इस साल इस इलाके में जंगल की बड़ी आग में दखल दिया है। 18 फरवरी को आईएएफ के हेलिकॉप्टरों ने नॉर्थ-ईस्ट के मुश्किल इलाकों में लगी दो बड़ी जंगल की आग पर काबू पाया था। अरुणाचल प्रदेश के वालोंग में, फोर्स ने हेवी-लिफ्ट हेलिकॉप्टरों का इस्तेमाल करके 139,800 लीटर पानी गिराया, जिससे एक बड़ी आग पर काबू पाया जा सका। रिपोर्ट के मुताबिक अपनी आग बुझाने की ड्यूटी के साथ-साथ आईएएफ इंडियन आर्मी के साथ कोऑर्डिनेशन को मजबूत करना जारी रखे हुए है। 8 मार्च को दोनों फोर्स ने उत्तराखंड में टिहरी झील के ऊपर एक जॉइंट एक्सरसाइज की। इस ड्रिल में कॉम्बैट फ्री-फॉल और स्टैटिक लाइन पैरा-ड्रॉप्स शामिल थे। एक और पोस्ट में आईएएफ ने कहा कि 8 मार्च को एयरक्राफ्ट ने इंडियन आर्मी के साथ एक जॉइंट एक्सरसाइज में टिहरी झील के ऊपर कॉम्बैट फ्री-फॉल और स्टैटिक लाइन पैरा-ड्रॉप्स किए। इस एक्सरसाइज ने आसान इंटर-सर्विस सिनर्जी और ऑपरेशनल कैपेबिलिटी दिखाई।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त नसीहत: केवल मीडिया पब्लिसिटी के लिए जनहित याचिकाएं दायर न करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को निकाय संबंधी कथित लापरवाही के कारण होने वाली मौतों को रोकने के लिए निर्देश जारी करने की मांग वाली एक याचिका को सिरे से खारिज कर दिया। याचिका को खारिज करते हुए न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाया और युवा अधिवक्ताओं को केवल मीडिया और सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरने के उद्देश्य से जनहित याचिकाएं दायर करने के प्रति आगाह किया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने एक युवा वकील को सलाह देते हुए कहा कि वकालत के शुरुआती वर्षों में उन्हें कानूनी बारीकियों को समझने, अदालती कार्यवाही को करीब से देखने और मसौदा (ड्राफ्टिंग) तैयार करने के कौशल सीखने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो लोग इस पेशे में गंभीरता के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं, उन्हें राष्ट्रीय मीडिया या सोशल मीडिया पर छाने की होड़ से दूर रहना चाहिए। उन्होंने टिप्पणी की कि दफ्तरों में काम करने और कानून सीखने के बजाय निराधार याचिकाएं तैयार करना पेशेवर भविष्य के लिए ठीक नहीं है। पीठ ने याचिका को अस्पष्ट और व्यापक दावों से भरी हुई करार देते हुए कहा कि इसमें ऐसे निर्देश मांगे गए हैं जिनका व्यावहारिक रूप से पालन करना अत्यंत कठिन है, इसलिए इस पर विचार करने का कोई ठोस कारण नहीं दिखता। सुनवाई के दौरान जब सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के रखरखाव में विफलता से होने वाली मौतों का मुद्दा उठा, तो पीठ ने याचिकाकर्ता की वकील से पूछा कि उन्होंने इस विशिष्ट मामले में संबंधित अधिकारियों के खिलाफशिकायत दर्ज कराने के बजाय सीधे उच्चतम न्यायालय का दरवाजा क्यों खटखटाया। इस पर वकील ने तर्क दिया कि यह एक राष्ट्रीय मुद्दा बन चुका है। वकील के वकालत के अनुभव (चार वर्ष) की जानकारी मिलने पर प्रधान न्यायाधीश ने जोर देकर कहा कि युवा वकीलों को वरिष्ठों के मार्गदर्शन में समय बिताना चाहिए, न कि केवल प्रचार पाने के लिए अदालत का समय नष्ट करना चाहिए। इसी कड़ी में, उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को एक ही वकील द्वारा दायर पांच अन्य याचिकाओं को भी निरर्थक बताते हुए खारिज कर दिया। इन याचिकाओं में अजीबोगरीब मांगें की गई थीं, जिनमें से एक में यह वैज्ञानिक अध्ययन कराने का आग्रह था कि क्या प्याज और लहसुन में तामसिक या नकारात्मक ऊर्जा होती है। अन्य याचिकाओं में शराब और तंबाकू उत्पादों की सामग्री पर नियंत्रण, संपत्तियों का अनिवार्य पंजीकरण और शास्त्रीय भाषाओं की घोषणा के लिए दिशा-निर्देशों की मांग की गई थी। न्यायालय ने इन सभी याचिकाओं को कानूनी आधार पर शून्य माना और स्पष्ट किया कि जनहित याचिकाओं का दुरुपयोग न्यायपालिका की गंभीरता को कम करता है।

हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता मामले में केंद्र से मांगा रिकॉर्ड, अगली सुनवाई 19 को

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खण्ड पीठ ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कथित दोहरी नागरिकता मामले में दायर याचिका पर सोमवार को सुनवाई की। हाईकोर्ट ने राहुल गांधी से जुड़े कथित दोहरी नागरिकता विवाद के मामले में केंद्र सरकार से संबंधित केस फाइल तलब की है। यह याचिका निचली अदालत द्वारा एफआईआर दर्ज कराने से इनकार किए जाने के आदेश के खिलाफ दाखिल की गई है। याचिका पर करीब डेढ़ घंटे तक विस्तृत बहस हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय का पक्ष रखने के लिए केंद्रीय स्थायी अधिवक्ता राज कुमार सिंह को भी तलब किया और मामले से जुड़ी मामले से जुड़ी ताजा कार्रवाई की जानकारी मांगी। हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 19 मार्च की तारीख तय की है। न्यायमूर्ति राजीव सिंह की एकल पीठ ने यह आदेश एस विग्नेश शिशिर की याचिका पर दिया। याची ने 28 जनवरी 2026 को विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश को चुनौती दी है। उस आदेश में अदालत ने राहुल गांधी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने की मांग ठुकरा दी थी। विशेष अदालत ने कहा था कि नागरिकता के सवाल पर निर्णय लेना उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। याचिका में राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर विस्तृत जांच कराने की मांग की गई है। याची ने राहुल पर भारतीय न्याय संहिता, आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, विदेशी अधिनियम और पासपोर्ट अधिनियम के तहत आरोप लगाए हैं। यह शिकायत पहले रायबरेली की विशेष एमपी/एमएलए अदालत में दायर की गई थी। बाद में शिकायतकर्ता की अर्जी पर हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने 17 दिसंबर 2025 को मामला रायबरेली से लखनऊ स्थानांतरित कर दिया था। लखनऊ की विशेष अदालत ने 28 जनवरी को याचिका खारिज कर दी। इसके बाद याची ने इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

अपने पूरे परिवार के साथ पीएम मोदी से मिली पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे

-प्रधानमंत्री मोदी और पोते विनायक के बीच मुलाकात रही खास

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और उनका परिवार नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने पहुंचा। इस दौरान वसुंधरा राजे के साथ उनके परिवार के सदस्य भी

मौजूद थे। यह मुलाकात शिष्टाचार की रूप में देखी जा रही है, लेकिन मरुधार के राजनीतिक गलियारों में इसकी चर्चाएँ शुरू हो गई हैं।

मुलाकात के दौरान विशेष ध्यान विनायक प्रताप सिंह पर गया, जो अपनी दादी की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने की संभावनाओं के कारण चर्चा में हैं। विनायक ने 2023 में पहली बार मतदान किया था और कुछ चुनावी कार्यक्रमों में भी दिखाई दिए थे। उनकी फिटनेस के प्रति सजगता और यूट्यूब चैनल पर फिटनेस वीडियो साझा करने के कारण युवा वर्ग में उनकी लोकप्रियता है।

इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी और विनायक के बीच मुलाकात में खास बातचीत देखी गई, जिससे यह अटकलें लग रही हैं कि विनायक राजनीति में जल्द ही कदम रख सकते हैं। वर्तमान में वह दिल्ली से कानून की पढ़ाई कर रहे हैं और जिमिंग व ओपन एक्सरसाइज पर विशेष ध्यान देते हैं। राजनीतिक विशेषज्ञ मान रहे हैं कि विनायक की पृष्ठभूमि और युवा छवि उन्हें राजनीतिक क्षेत्र में एक मजबूत उपस्थिति बनाने में मदद कर सकती है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि यह मुलाकात वसुंधरा राजे और उनके परिवार के भविष्य की रणनीतियों का हिस्सा हो सकती है। फिटनेस और कानून की पढ़ाई के साथ विनायक अपनी दादी की विरासत को आधुनिक अंदाज में आगे बढ़ा सकते हैं। मुलाकात के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहे हैं, जिससे जनता और समर्थकों में उत्सुकता बढ़ी है। इस तरह, यह मुलाकात सिर्फ औपचारिक नहीं बल्कि भविष्य की राजनीतिक संभावनाओं का संकेत भी मानी जा रही है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू का बचाव कर शाह ने गोगाई को सुना दिया... इतना गैर-जिम्मेदार विपक्ष भी कभी नहीं देखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। न मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर बहस शुरू होते ही, कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पर निशाना साधकर कहा कि उन्हें उस केंद्रीय मंत्री के रूप में याद किया जाएगा जिन्होंने विपक्ष को सबसे ज्यादा बार बाधित किया। यह गोगोई के संबोधन के दौरान रिजिजू के उस बयान के जवाब में था, जिसमें उन्होंने कहा था कि विपक्षी सांसदों ने असंसदीय शब्दों का प्रयोग किया और मैं इसका जबाव दूंगा।

इसके बाद कांग्रेस सांसद ने कहा कि भविष्य में जब संसदीय अभिलेखों और प्रतिलेखों का अध्ययन होगा, तब आंकड़े बताएंगे कि रिजिजू ही वे संसदीय कार्य मंत्री थे जिन्होंने विपक्ष को सबसे ज्यादा बार बाधित

किया। इस पर रिजिजू का बचाव कर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि इस तरह की बाधाएँ तभी आवश्यक होती हैं जब कोई संसदीय नियमों का पालन नहीं करता है, और उन्होंने संसदीय कार्य मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल का उदाहरण दिया।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि मैं सहमत हूँ, संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू जी ने सबसे ज़्यादा व्यवधान डाला है। लेकिन हम लोगों ने इतना गैर-जिम्मेदार विपक्ष भी कभी नहीं देखा। जिसका मतलब था कि व्यवधान विपक्ष द्वारा सदन के नियमों का बार-बार उल्लंघन करने के कारण थे। अपने संबोधन में, गोगोई ने यह भी कहा कि यह प्रस्ताव सदन की गरिमा की रक्षा के लिए लाया गया है, न कि किसी व्यक्तिगत प्रतिशोध के लिए। निचले सदन को संबोधित कर गोगोई ने कहा कि यह प्रस्ताव सदन की गरिमा की रक्षा करने की जिम्मेदारी के रूप में लाया गया है, न कि व्यक्तिगत रूप से ओम बिरला के खिलाफ।

केंद्र सरकार चला रही 54 मंदिर-तीर्थ कॉरिडोर प्रोजेक्ट, राजस्थान में सर्वाधिक 4

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार देश भर में धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 54 मंदिर-तीर्थ कॉरिडोर परियोजनाएँ चला रही है। ये परियोजनाएँ 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू हैं। इनमें सर्वाधिक 4 राजस्थान में हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इन 54 परियोजनाओं में सबसे अधिक चार परियोजनाएँ राजस्थान में हैं, जो राज्य में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के केंद्र के प्रयासों को दर्शाती हैं। यह योजना न केवल तीर्थ यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने पर केंद्रित है, बल्कि मंदिरों और उनके आसपास के बुनियादी ढांचे को भी सशक्त करने का लक्ष्य रखती है।

केंद्र सरकार के अनुसार, यह पहल देश के सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों को सुरक्षित और व्यवस्थित रूप से विकसित करने के लिए अहम कदम है। योजना के अंतर्गत कॉरिडोर के पास यात्रियों के लिए सुविधाएं, मार्गदर्शन और संरचनात्मक सुधार किए जा रहे हैं, जिससे धार्मिक पर्यटन को नई गति मिलेगी। इस प्रकार, 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैली इन परियोजनाओं के माध्यम से देशभर में धार्मिक स्थलों की अहमियत और पर्यटकों के अनुभव को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

वीएसआर के मालिक को दुर्घटना के तुरंत बाद कैसे पता चला पायलट की गलती थी?

एनसीपी(एसपी) के विधायक रोहित पवार ने वी के सिंह के बयान पर उठाए सवाल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार और चार अन्य लोगों की विमान दुर्घटना में हुई मौत की जांच अब एक नए विवाद का केंद्र बन गई है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के विधायक रोहित पवार ने इस मामले में विमानन कंपनी वीएसआर वेंचर्स के मालिक वी के सिंह की भूमिका और उनके बयानों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। सीआईडी ने हाल ही में वीएसआर वेंचर्स के मालिक से पूछताछ कर उनका बयान दर्ज किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सिंह ने इस दुर्घटना के लिए पायलट को जिम्मेदार बताया। इसी दावे पर रोहित ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

मीडिया रिपोर्ट कके मुताबिक सीआईडी के एक ??अधिकारी ने कोई विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा था कि सीआईडी ने पिछले सप्ताह वी के सिंह से पूछताछ की और उनका बयान दर्ज किया। सीआईडी ??ने सिंह से पूछताछ के संबंध में कोई बयान जारी नहीं किया है। वीएसआर वेंचर्स द्वारा

संचालित एक लीयरजेट 45 विमान 28 जनवरी को पुणे जिले के बारामती हवाई पट्टी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस घटना में अजित पवार और चार अन्य लोगों की मृत्यु हो गई थी।

मीडिया के एक वर्ग ने सीआईडी को दिए सिंह के बयान का जिक्र किया था। रोहित पवार ने मीडिया के एक वर्ग में आए सिंह के इस बयान का हवाला देते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ब्लैक बॉक्स में वास्तव में क्या रिकॉर्ड हुआ था, यह अब तक सामने नहीं आया है। अगर ऐसा है, तो वीएसआर कंपनी के मालिक को दुर्घटना के कुछ ही समय बाद कैसे पता चला कि यह पायलट की गलती थी? वह खुद को इससे दूर रखते हुए दोष किसी और पर डालने की कोशिश कर रहे हैं।

रोहित ने बताया कि कभी रिपोर्ट में कहा जाता है कि विमान का 'ब्लैक बॉक्स' जल गया है, जबकि कभी दावा किया जाता है कि डेटा बरामद कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियां ??इस मामले पर पूरी तरह से चुप्पी साधे हुए हैं। हैरानी की बात यह है कि इतनी बड़ी दुर्घटना के बावजूद सीआईडी ने वी के सिंह से हुई पूछताछ को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। रोहित का मानना है कि इस चुप्पी से जनता के मन में संदेह पैदा हो रहा है। यह मामला अब एक दुर्घटना नहीं, बल्कि एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन चुका है। क्या ब्लैक बॉक्स का सच कभी सामने आएगा या यह फाइलों में ही दफन हो जाएगा?

एलपीजी संकट पर केजरीवाल का पीएम मोदी पर तंज... अपनी कुछ मजबूरियों के कारण ट्रंप के सामने झुके

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और आप पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने देश में संभावित एलपीजी संकट को लेकर केंद्र पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी कुछ मजबूरियों के कारण अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने झुक रहे हैं और इसकी कीमत देश को चुकानी पड़ रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में अस्थिरता पैदा हो गई है, इससे तेल और गैस बाजार प्रभावित हो रहे हैं। इस बीच केजरीवाल ने दावा किया कि देशभर में कई व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को एलपीजी की आपूर्ति रोकी गई है। उनके अनुसार, शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों को छोड़कर अन्य सभी कारोबारी प्रतिष्ठानों को फिलहाल एलपीजी गैस नहीं दी जा रही है और गैस केवल घरेलू उपयोग के लिए उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने आशंका जाहिर की कि आने वाले दिनों में गैस और तेल

की स्थिति और भी गंभीर हो सकती है।

दरअसल, यह बयान उस समय आया जब पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने तेल रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का निर्देश दे दिया है। मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संकट और वैश्विक आपूर्ति में बाधा को देखकर देश में ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी है। इसलिए अतिरिक्त एलपीजी उत्पादन को विशेष रूप से घरेलू उपयोग के लिए निर्देशित किया गया है। मंत्रालय ने यह भी घोषणा की कि मौजूदा आपूर्ति व्यवस्था को संतुलित बनाए रखने और जमाखोरी तथा कालाबाजारी को रोकने के लिए एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए 25 दिनों की इंटर-बुकिंग अवधि लागू की गई है। मोदी सरकार ने रिफाइनरियों और पेट्रोकेमिकल इकाइयों को एलपीजी उत्पादन अधिकतम करने तथा प्रमुख हाइड्रोकार्बन स्रोतों को एलपीजी पूल में भेजने का निर्देश दिया है। मोदी सरकार का कहना है कि इन कदमों का उद्देश्य आम नागरिकों को रसोई गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करना और संकट के समय ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर बनाए रखना है। वहीं विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार की नीतियों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर सवाल उठा रहा है।

राजस्थान में बढ़ते प्रदूषण से लोगों की घटा रहा उम्र, साल में 20 दिन ही मिल रही शुद्ध हवा

-रिपोर्ट में खुलासा जहरीली हवा में खतरनाक कण मौजूद, शरीर को पहुंच रहा नुकसान

श्रीनगर (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। राजस्थान में बढ़ता प्रदूषण प्रदेशवासियों की औसत उम्र घटा रहा है। जयपुर में तो साल में 20 दिन ही शुद्ध हवा लोगों को मिल रही है। जहरीली हवा में मौजूद बारीक कण सिर्फ फेफड़े ही नहीं दिमाग की नसों तक पहुंच रहे हैं। किडनी डैमेज होने का खतरा बढ़ रहा है। एक ताजा रिपोर्ट में यह चौंकान वाला खुलासा हुआ है। रिपोर्ट बताती है कि जयपुर का हर नागरिक अपनी औसत उम्र के 3 साल 10 महीने और 24 दिन सिर्फ जहरीली हवा के कारण कम कर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट ने 25 फरवरी 2026 को 'स्टेट ऑफ इंडियाज एनवायरमेंट-2026' नाम से एक रिपोर्ट जारी की थी। प्रदेश के लिए वर्ष 2021 से 2025 के बीच प्रदूषण स्तर एक्यूआई के आंकड़े जुटाए गए फिर प्रदूषित हवा में मौजूद सूक्ष्म कणों की मात्रा के आधार पर आंकलन किया गया कि ये उम्र पर कितना असर डाल रहे हैं। रिपोर्ट में सामने आया कि जहरीली हवा में इतने खतरनाक कण मौजूद हैं, जो सांस से हमारे शरीर में जा रहे हैं। इससे प्रदेश के हर व्यक्ति की उम्र औसतन घट रही है।

प्रदेश की अनुमानित आबादी 8 करोड़ है। सबसे ज्यादा आबादी जयपुर की है। जयपुर में रहने वाले लोग औसत से भी 7 महीने ज्यादा उम्र खो रहे हैं। आंकड़े के मुताबिक 1 जनवरी 2021 से 31 मार्च 2025 के बीच कुल 1,550 दिनों में से करीब 450 दिन एक्यूआई खराब से बहुत खराब श्रेणी में रहा। इसका मतलब यह है कि जयपुर का हर तीसरा दिन प्रदूषण के उस खतरनाक स्तर पर पहुंचा, जिसके संपर्क में लंबे समय तक रहने पर सांस और हार्ट संबंधी रोग हो सकते हैं। इसके विपरीत पूरे साढ़े चार साल में केवल 81 दिन ही ऐसे थे, जब लोगों को अच्छी हवा मिली यानी जयपुर वालों को साल में औसत रूप से 20 दिन भी पूरी तरह शुद्ध हवा नसीब नहीं हुई।

रिपोर्ट से पता चलता है कि जहरीली हवा आपके शरीर के हर हिस्से को छलनी कर रही है। हवा में मौजूद बारीक कण खून के जरिए दिमाग तक पहुंच रहे हैं। इससे ब्रेन फॉग, चिड़चिड़ापन और नींद की कमी हो रही है। लंबे समय में यह अल्जाइमर और पार्किंसंस जैसी बीमारियों का रिस्क बढ़ा रही है। प्रदूषित हवा के कारण बच्चों में एनीमिया यानी खून की कमी और जन्म के समय कम वजन जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। यह हवा किडनी की कार्य क्षमता को बिगाड़ रही है और डायबिटीज का खतरा बढ़ा रही हैं।

जयपुर के अस्थमा रोग विशेषज्ञ बताते हैं- वायु प्रदूषण के कारण अस्थमा की समस्याओं वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है। इसके कारण सांस लेने में दिक्कत, ब्रेन फॉग, सिरदर्द, चिड़चिड़ापन और नींद की समस्या से जूझ रहे मरीज ज्यादा आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदूषित हवा का असर बच्चों और बुजुर्गों पर ज्यादा हो रहा है। बच्चों में एनीमिया, फेफड़ों का कमजोर विकास और कम वजन जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं, जबकि वयस्कों में किडनी से जुड़ी परेशानी, डायबिटीज और हृदय रोग का खतरा भी बढ़ता देखा जा रहा है।

डॉक्टर के मुताबिक जिन क्षेत्रों में प्रदूषण ज्यादा है, वहां रहने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। बाहर निकलते समय मास्क का इस्तेमाल करें, पौष्टिक भोजन लेना चाहिए ताकि शरीर की इम्यूनिटी मजबूत बनी रहे। साथ ही बच्चों और बुजुर्गों का खास ध्यान रखना जरूरी है, क्योंकि प्रदूषण का असर इन पर ज्यादा तेजी से होता है।